सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 32 | जौनपुर, बुधवार, 18 सितम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

केन्द्र सरकार और तेल कंपनियां मिलकर लूट रही है आम आदमी की जेब – गहलोत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने कहा है कि पिछले छह महीने में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें करीब 21 प्रतिशत कम होने के बावजूद पेट्रोल–डीजल की कीमतों में कोई कटौती नहीं हुई है और ऐसा लगता है कि केन्द्र सरकार और तेल कंपनियां मिलकर आम आदमी की जेब लूट रही हैं। श्री गहलोत ने सोमवार को सोशल मीडिया पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि अगर कच्चे तेल की कीमतों के अनुरूप पेट्रोल–डीजल की कीमतें घटाई जाएं तो पेट्रोल की कीमत दस रुपए एवं डीजल की कीमत आठ रुपए प्रति लीटर तक कम हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान की जनता के साथ तो एक तरह से दोगुनी ठगी हुई है। विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनता से वादा किया था कि राजस्थान में भाजपा सरकार बनने पर यहां पेट्रोल–डीजल के दाम हरियाणा और गुजरात के बराबर किये जायेंगे परन्तु आज तक ऐसा नहीं हुआ है। राजस्थान की जनता जानना चाहती है।

किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं - सीएम

वाराणसी, संवाददाता। दो दिवसीय काशी दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बलुआ घाट की बारादरी की छत गिरने की घटना को गंभीरता से लिया। उन्होंने पर्यटन विभाग, कार्यदायी संस्था, कॉन्ट्रैक्टर और संबंधित नोडल अधिकारी के खिलाफ जांच कराकर जवाबदेही तय करते हुए कार्रवाई करने का आदेश दिया। सोमवार को सर्किट हाउस में विकास, निर्माण व कानून व्यवस्था की बैठक कर अधिकारियों को हिदायत दी। सीएम योगी ने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शास्त्री घाट पर बने सभी गुंबदों को फिर से खोलकर उनका पुनर्निर्माण करें। घाटों पर लगने वाले पत्थरों

की गुणवत्ता जांच लें। मुख्यमंत्री ने कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल के सभी कार्यों की जांच कराकर गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि निर्माणा धीन सभी कार्यों के पूरा होने पर ही संबंधित विभाग से हैंडओवर लें। तभी परियोजनाओं को लोकार्पित कराएं। सीएम ने कहा कि रोपवे परियोजना में अनावश्यक देरी न हो। जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने बताया कि तीन स्टेशन का निर्माण कार्य दिसंबर तक और बचे स्टेशनों का काम मार्च 2025 तक पूरा हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले के लिए प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति कर दी गई है। जनपद की समस्याओं का समाधान जनपद स्तर पर करने के लिए नवनियुक्त प्रभारी मंत्री और कोर ग्रुप की बैठक हर महीने आयोजित हो। मुख्यमंत्री ने नए शामिल क्षेत्रों में सभी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने और सिटी फॉरेस्ट की परिकल्पना पर कार्य करने को कहा। सीएम ने कहा देसी पद्धति पर ड्रेनेज का मॉडल विकसित करें। सभी फ्लाईओवर के नीचे सुंदरीकरण का कार्य कराएं। भवनों के बेसमेंट में पार्किंग सुनिश्चित हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ का स्थायी समाधान करें। वरुणा रिवर फ्रंट को मॉडल के रूप में विकसित करें। इसमें कोई सीवर व दूषित पानी न गिरे। बाढ़ के दौरान गंगा का पलट प्रवाह वरुणा नदी में न हो। वरुणा में हमेशा पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए नदी के प्रवेश स्थल से लेकर जगह–जगह चेक डैम बनाने को कहा। नदी के दोनों तरफ सघन पौधरोपण करने को भी कहा। कहा कि असि और वरुणा नदी वाराणसी की प्राचीनतम पहचान है। इनके अस्तित्व को बचाने का कार्य करना है। सीएम ने कहा प्रत्येक विकास कार्य की मॉनिटरिंग के लिए एक नोडल अधिकारी नामित करें। हर घर नल योजना के सभी कार्यों को शत प्रतिशत पूरा कराए।

राष्ट्रपति के दो दिवसीय दौरे के चलते इंदौर में ड्रोन उड़ाने पर रोक

मध्यप्रदेश, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 18 सितंबर से शुरू होने वाले दो दिवसीय दौरे में उनकी सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने इंदौर के चिन्हित स्थानों के आस–पास ड्रोन और अन्य चीजें उड़ाने पर रोक लगा दी है। अधिकारी ने बताया कि शहर के देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे, एमजी रोड, रेसीडेंसी कोठी और भंवरकुआं चौराहे के तीन–तीन किलोमीटर के दायरे में ड्रोन, पैराग्लाइडर, हॉट एयर बैलून और अन्य चीजें उड़ाने पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लगाई गई यह रोक 17 सितंबर से 19 सितंबर तक लागू रहेगी और इसके उल्लंघन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह रोक विमानों की वाणिज्यिक उड़ानों पर प्रभावी नहीं होगी। प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मू 18 सितंबर को इंदौर पहुंचेंगी और राज्य सरकार के मृगनयनी एम्पोरियम पहुंचकर परंपरागत बुनकरों से चर्चा करेंगी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति अगले दिन 19 सितंबर को उज्जैन के महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करेंगी। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति इसी दिन इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के हीरक जयंती दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी।

आम आदमी पार्टी शुरू से ही न्यायिक प्रक्रियाओं को दिखाती आई है ठेंगा – अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा रविवार को इस्तीफा दिए जाने का ऐलान करने के बाद सियासी गलियारों में शुरू हुआ प्रतिक्रियाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सियासी पंडित जहां मुख्यमंत्री के इस ऐलान को दिल्ली के आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए एक दांव के रूप में देख रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ बीजेपी और कांग्रेस सवाल कर रहे हैं कि आखिर मुख्यमंत्री दो दिन बाद ही क्यों इस्तीफा दे रहे हैं, उन्हें तो अभी इस्तीफा दे देना चाहिए।

इसी बीच, केजरीवाल के इस्तीफे के ऐलान पर उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि आम आदमी पार्टी शुरू से ही न्यायिक व्यवस्था को ठेंगा दिखाती हुई आई है। इतने महीनों तक सलाखों के पीछे रहने के बाद भी मुख्यमंत्री ने अपने पद से इस्तीफा देना जरूरी नहीं समझा। आम आदमी पार्टी को न्यायिक प्रक्रियाओं का पालन करना चाहिए। यह पार्टी शुरू से ही न्यायिक प्रक्रियाओं को ठेंगा दिखाती आई है। मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि बीजेपी हर दम न्यायिक प्रक्रिया का पालन करती आई है। लेकिन आम आदमी पार्टी शुरू से ही न्यायिक प्रक्रियाओं को ठेंगा दिखाती आई है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।" बीजेपी नेता ने कहा, "मैं समझता हूं कि आम आदमी पार्टी को, जो आदेश कोर्ट की ओर से दिया गया है, उसे उसका पालन करना चाहिए। इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए।" उन्होंने कहा, "हमारी पार्टी हो या कोई और, कोर्ट के आदेश का सभी को पालन करना चाहिए, लेकिन आम आदमी पार्टी शुरू से ही कोर्ट के आदेश की अवहेलना करती आई है। यह पार्टी हमेशा से ही विभिन्न मुद्दों पर राजनीति करती रही है। देश की जनता सब जानती है, लेकिन अब हम इस स्थिति को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं सकते हैं। बता दें कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से नई आबकारी नीति मामले में जमानत मिल गई। इसके बाद आम आदमी पार्टी में खुशी की लहर देखने को मिल रही है। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद केजरीवाल ने रविवार को पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस बीच, उन्होंने अपने पद से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया।

100 दिनों में मैंने दिन-रात नहीं देखा, एजेंडे को पूरा करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी - मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भुज से अहमदाबाद तक भारत की पहली वंदे मेट्रो और नागपुर से सिकंदराबाद, कोल्हापुर से पुणे, आगरा कैंट से बनारस, दुर्ग से विशाखापत्तनम, पुणे से हुबली और वाराणसी से दिल्ली तक पहली 20 कोच वाली वंदे भारत ट्रेन हरी झंडी दिखाई। इसके अलावा मोदी ने विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि उत्सव के इस समय में भारत के विकास का उत्सव भी निरंतर जारी है। अभी यहां से करीब 8,500 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इनमें रेल, रोड और मेट्रो जैसे अनेक प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। मोदी ने कहा कि आज गुजरात के गौरव में एक और सितारा जुड़ा है। आज नमो भारत रैपिड रेल भी शुरू हुई है। ये भारत की अर्बन कनेक्टिविटी में एक और मील का पत्थर सिद्ध होने वाली है। उन्होंने कहा कि आज गुजरात के हजारों परिवार अपने नए घर में प्रवेश भी कर रहे हैं। आज हजारों परिवारों को उनके पक्के घर की पहली किस्त भी जारी हुई है। मोदी ने कहा कि उत्सव के इस माहौल में एक पीड़ा भी है। इस वर्ष गुजरात के अनेक इलाकों में एक साथ अतिवृष्टि हुई है। इतिहास में पहली बार इतने व्यापक स्तर पर, इतने कम समय में, इतनी तेज बारिश हमने देखी है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि गुजरात के कोने–कोने में ये स्थिति पैदा हुई। इसके कारण जान–माल की भी बहुत हानि हुई है। केंद्र और राज्य सरकार प्रभावितों

को हरसंभव राहत देने के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मुझे गुजरात के आप सभी लोगों की अपेक्षा का भी अहसास है। आप चाहते थे कि तीसरी बार शपथ लेने के बाद मैं जल्द से जल्द आपके बीच आऊं। ये स्वाभाविक था, क्योंकि 60 साल के बाद देश की जनता ने एक नया इतिहास रचा है। एक सरकार को लगातार तीसरी बार देश की सेवा करने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम का संकल्प दिलाकर आप ही लोगों ने मुझे दिल्ली भेजा है।

जम्मू–कश्मीर में हालात सुधरने का दावा झूठा – महबूबा मुफ्ती

कुलगाम, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव की तारीखें नजदीक आने के साथ–साथ राजनीतिक बयान बाजियों का दौर भी तेज होता जा रहा है। इसी कड़ी में, रविवार को जम्मू–कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने भाजपा पर जुबानी हमला बोला।

कुलगाम में पत्रकारों से बात करते हुए पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भाजपा सरकार पर जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि यह शर्म की बात है कि सरकार बार–बार दावा करती है कि जम्मू–कश्मीर में हालात सुधर गए हैं, लेकिन दस साल से चुनाव नहीं कराए गए हैं। लोग तंग आ गए हैं, उनका दम घुटता है। जम्मू कश्मीर के लोग चाहते हैं कि कोई सरकार बने जो उनकी मुश्किलों को दूर करे। पीडीपी चुनाव सिर्फ इसलिए लड़ रही है, ताकि भाजपा मुद्दों को दबा न सके और कश्मीर की आवाज सुनी जाए। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि पीडीपी बेरोजगारी को खत्म करने का काम करेगी। इसके लिए हम एक लाख सरकारी नौकरियां देंगे और 60,000 लोगों की नौकरी को पक्की करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि पीएम ने दो करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था, लोगों के खाते में 15–15 लाख रुपये भेजने का वादा किया था, लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ है। पीडीपी जम्मू–कश्मीर के लोगों की आवाज उठाएगी और उनकी मुश्किलों को दूर करने के लिए काम करेगी। उल्लेखनीय है कि जम्मू–कश्मीर में विधानसभा की 90 सीटें हैं, जिनमें से 47 घाटी और 43 जम्मू संभाग में हैं।

सीबीआई को पिंजरे का तोता बताने पर सुप्रीम कोर्ट को उपराष्ट्रपति धनखड़ ने दे दी नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि चुनाव आयोग और जांच एजेंसियों सहित संस्थाएं कठिन परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों का पालन करती हैं। जगदीप धनखड़ का ये बयान तब आया है जब उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश द्वारा टिप्पणी एक टिप्पणी में कहा गया था कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को पिंजरे में बंद तोता होने की धारणा को दूर करना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारी संस्थाएं जैसे चुनाव आयोग और जांच एजेंसियां– अपना कर्तव्य निभाती हैं। यह एक राजनीतिक बहस खड़ी कर सकता है और एक कथा को गति दे सकता है। हमें सचेत रहना होगा क्योंकि वे मजबूत हैं और अलग–अलग तरीकों से काम कर रहे हैं। वे कानून के शासन के तहत काम करते हैं। जगदीप धनखड़ ने कहा कि राज्य के सभी अंगों का एक ही उद्देश्य है कि आम

आदमी को सभी अधिकार मिलें और भारत फले–फूले तथा समृद्ध हो। उपराष्ट्रपति ने कहा, ''उन्हें लोकतांत्रिक मूल्यों और आगे के संवैधानिक आदर्शों को पोषित एवं पुष्पित करने के लिए मिलकर एकजुटता से काम करने की जरूरत है। इन पवित्र मंचों – विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका – को राजनीतिक भड़काऊ बहस का बिंदु न बनने दें क्योंकि यह चुनौतीपूर्ण एवं कठिन परिस्थितियों में भी देश की अच्छी सेवा करने वाले संस्थानों के लिए हानिकारक है। उन्होंने संस्थाओं का जिक्र करते हुए निर्वाचन आयोग और जांच एजेंसियों का जिक्र किया।

उनका विचार था कि संस्थाएँ कठिन परिस्थितियों में अपना कर्तव्य निभाती हैं और टिप्पणियाँ उन्हें ''हतोत्साहित'' कर सकती हैं। धनखड़ ने कहा कि यह एक राजनीतिक बहस को जन्म दे सकता है और एक विमर्श को गढ़ सकता है। हमें अपने संस्थानों के बारे में बेहद सचेत रहना होगा। वे मजबूत हैं, वे कानून के शासन के तहत स्वतंत्र रूप से काम कर रहे हैं और वहां उचित नियंत्रण एवं संतुलन है।

पूरी तरह से मेरी जासूसी में लगे हुए हैं मुख्यमंत्री – तेजस्वी यादव

बिहार, एजेंसी। बिहार के नेता प्रतिपक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर बड़ा आरोप लगाया है। तेजस्वी ने दावा किया कि नीतीश उनकी निगरानी करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के दौरान सीआईडी और विशेष शाखा के अधिकारी मौजूद थे। उनकी पहचान की पुष्टि उनकी आईडी से की गई। झंझारपुर में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के बाद तेजस्वी यादव ने गेस्ट हाउस में मीडिया से बात की और मुख्यमंत्री पर जमकर हमला बोला। कहा कि हमारी एक मीटिंग में सीआईडी और स्पेशल ब्रांच के अधिकारी वहां बैठे नोट्स ले रहे थे। हमने शुरू में सोचा कि वे पत्रकार थे। उन्होंने कहा कि पार्टी की आंतरिक बैठक के बाद आमतौर पर पत्रकार फोटो खींचकर चले जाते हैं, लेकिन ये लोग नहीं हटे। बाद में हमें पता चला कि वे सीआईडी घ्ध्और विशेष शाखा के अधिकारी थे। उन्होंने अपनी आईडी भी दिखाईं। तेजस्वी ने आगे कहा, वह डरे और सहमे हुए हैं। वहीं, एक एक्स पोस्ट में तेजस्वी ने कहा कि नीतीश जी के कैबिनेट मंत्री बिहार जैसे पिछड़े और गरीब राज्य के अपने विभागों को लूट कर सभी अखबारों में करोड़ों–करोड़ के फुल पेज विज्ञापन दे रहे है। बिहार सरकार तथा सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की तरफ से आधिकारिक विज्ञापन नहीं बल्कि कैबिनेट के 5 मंत्रियों की तस्वीरों के साथ बिना किसी निवेदक के जारी किया है।

मनोहर लाल खट्टर का दावा, हरियाणा में फिर जीतेगी भाजपा, नायब सैनी के नेतृत्व में फिर बनेगी सरकार

हरियाणा, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने विश्वास जताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी हरियाणा विधानसभा

चुनाव में विजयी होगी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में सरकार बनाएगी। मीडिया से बात करते हुए, खट्टर ने कांग्रेस द्वारा किसी मजबूत विपक्ष या गठबंधन के प्रयासों की कमी का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि भाजपा फिर से सरकार बनाने की राह पर है। खट्टर ने कांग्रेस पार्टी की हार की भविष्यवाणी करते हुए उस पर तीखा कटाक्ष किया और राजनीतिक परिदृश्य में उसके अलग–थलग होने पर प्रकाश डाला। खट्टर ने कहा कि किसी भी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन के लिए हाथ नहीं बढ़ाया है, जो उनकी कमजोर स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने आरक्षण और सिख समुदाय जैसे संवेदनशील मुद्दों पर ष्बेतुकेष और गैर–जिम्मेदाराना बयान देने के लिए कांग्रेस नेताओं की भी आलोचना की।

खट्टर के बयान तब आए हैं जब भाजपा ने राज्य चुनावों से पहले अपने अभियान के प्रयासों को तेज कर दिया है, जिसमें सैनी हरियाणा में पार्टी के नेतृत्व के प्रमुख चेहरे के रूप में उभर रहे हैं। इससे पहले रविवार को, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी कहा था कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भाजपा के सीएम चेहरे हैं।

जम्मू कश्मीर में पीएम मोदी ने मजबूत किया लोकतंत्र - शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू–कश्मीर के किश्तवाड़ में सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि किश्तवाड़ की ये भूमि बलिदानियों की भूमि है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण जब भारत का विभाजन हुआ तो रियासत जम्मू कश्मीर कहां जाएगी, इसका फैसला करने में नेहरू की शेख–परस्त नीतियों के कारण बड़ी देर हुई। उन्होंने कहा कि जब–जब जम्मू–कश्मीर पर संकट आया, किश्तवाड़ के लोग बलिदान देने में पीछे नहीं हटे। 1990 के आतंकवाद के दौरान सुरक्षा बलों के साथ मिलकर यहां का हर नागरिक लड़ा और आतंकवाद को समाप्त करने में अपना योगदान दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मोदी जी ने जम्मू कश्मीर में लोकतंत्र को मजबूत किया है।

शाह ने कहा कि मैं यहां कहने आया हूं, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित प्रेमनाथ डोगरा के नेतृत्व में प्रजा परिषद और भारतीय जनसंघ ने जब आंदोलन किया कि एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि तब नेहरू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने आंदोलन को कुचला। ये कहते थे, आसमान से चांद सितारे आ जाएं तब भी धारा–370 नहीं हटेगी। विपक्ष पर हमला करते हुए शाह ने कहा कि फारूक जी कहते थे कि मोदी जी 10 बार प्रधानमंत्री बन जाएं, तब भी धारा –370 नहीं हटा सकते। महबूबा जी कहती थीं कि धारा–370 हटी तो खून की नदियां बह जाएंगी। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धारा–370 हटाकर देश में एक निशान, एक प्रधान और एक संविधान प्रस्थापित किया। भाजपा नेता ने कहा कि मोदी जी ने जम्मू–कश्मीर में लोकतंत्र को मजबूत

किया। मैं पूछना चाहता हूं फारूक अब्दुल्ला से कि आपकी तीन पुश्तों ने राज किया, लेकिन जम्मू–कश्मीर के लोगों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज कभी मिला ध्था? मोदी जी ने घाटी से लेकर मैदान तक, सभी को 5 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त दिया। उन्होंने कहा कि मैं आज यहां कहता हूं कि जिनके मंसूबे हैं, यहां आतंक फैलाने के... अभी भी समय है, वापस चले जाओ, नहीं तो भारतीय सेना और सुरक्षा बल तैनात है... यहीं पर ठिकाने लगा दिए जाओगे।

उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि मैं इस बात से आश्चर्यचकित हूं कि सत्ता का लालच क्या कर सकता है! कांग्रेस पार्टी, जो कभी अब्दुल्ला परिवार को देशद्रोही कहती थी और उन्हें आतंकवाद के लिए जिम्मेदार ठहराती थी और उमर अब्दुल्ला के दादा को वर्षों तक जेल में डालती थी, अब मोदी जी के खिलाफ जीत के लिए उन पर प्यार बरसा रही है। उन्होंने कहा कि राहुल और अब्दुल्ला आज ILU ILU कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उमर अब्दुल्ला कहते हैं, अफजल गुरु को फांसी नहीं देनी चाहिए। यही बताता है।

संपादकीय

उलझा रही तकनीक

आज के डिजिटल युग में तकनीक ने हमारी रोजमर्रा की जिंदगी को पूरी तरह बदल दिया है। इंटरनेट, एप और एआई जैसी तकनीकों ने न केवल हमारे कामकाज को अधिक सुविधाजनक और तेज बना दिया है, बल्कि संवाद के तरीकोंध्को भी बदल दिया है। एक ओर तकनीक संचार को त्वरित और सुलभ बना रही है, तो दूसरी ओर इसका प्रभाव मानवीयता पर भी पड़ा है। संचार में मानवीय भावनाएं, आवाज की गर्माहट और चेहरों के भाव धीरे–धीरे गायब होते जा रहे हैं, जो समस्याओं को सुलझाने के बजाय और बिगाड़ रहे हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट्स हों या ऑनलाइन कंपनियां, ये हमारे जीवन का आज अहम हिस्सा बन गई हैं। चाहे अमेजन जैसे ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म से सामान मंगाना हो या ऊबर, ओला जैसी कैब सर्विस से कहीं जाना। इन एप आधारित कंपनियों ने हमारे रोजाना के कामों को सरल और सुविधाजनक बना दिया है। मगर इसका एक और पहलू भी है, इन तकनीकों और ऑनलाइन सेवाओं के फायदे के साथ कुछ चुनौतियां और समस्याएं भी जुड़ी हुई हैं। इन प्लेटफॉर्म पर हमारे पास सीधे और व्यक्तिगत संपर्क की कमी होती है, जिससे हमारी समस्याओं का समाधान मुश्किल हो जाता है।

फेसबुक ने भारत में 32 करोड़ उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा पार कर लिया है, लेकिन उपयोगकर्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए केवल हेल्प, सपोर्ट और रिपोर्ट जैसी सुविधाएं प्रदान करता है, जो कि एक पूर्वनिर्धारित एकतरफा तंत्र के अलावा कुछ भी नहीं है। यह स्थिति दर्शाती है कि कैसे तकनीकी सुविधाएं हमारे समस्या समाधान की प्रक्रिया को जटिल बना सकती हैं और मानवीय संबंधों को एक तंत्र में बदल सकती हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप अमेजन या फ्लिपकार्ट से कोई उत्पाद खरीदते हैं और वह खराब निकलता है, तो आपको अक्सरध्चौटबॉट से ही मदद मिलती है। वास्तविक उपभोक्ता सेवा प्रतिनिधि से संपर्क करने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। अगर फूड डिलीवरी एप पर आपके ऑर्डर में खराब या गलत भोजन आता है, तो आपको स्वचालित सपोर्ट और लंबे इंतजार का सामना करना पड़ता है। सीसीडब्ल्यू डिजिटल और कस्टमर मैनेजमेंट सर्विस के अध्ययन में बताया गया है कि 55 फीसदी उपभोक्ताओं का अनुभव चौट–बेस्ड सपोर्ट में बदतर रहा है यानी स्वचालित सहायता तंत्र अक्सर मानवीय समाधान की कमी को पूरा नहीं करता।

तकनीक ने ग्राहक सेवा के क्षेत्र में एक बुनियादी परिवर्तन ला दिया है। ग्लोबल स्ट्रैटजिक बिज रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023 तक विश्व भर का कॉल सेंटर बाजार 332 अरब डॉलर का था, जिसमें भारत की हिस्सेदारी करीब दस प्रतिशत है। नैसकॉम के मुताबिक, भारत में पांच करोड़ लोग इन बीपीओ और कॉल सेंटरों से रोजगार प्राप्त करते हैं। बड़ी कंपनियों ने ग्राहक सेवा में वेटिंग टाइम को कम करने के लिए लाइव चौट का विकल्प दिया, जिसमें ग्राहकों को अपनी समस्याएं लिख कर देने के लिए प्रेरित किया जाने लगा। और धीरे–धीरे मौखिक संचार को कम कर कंपनियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता चौटबॉट्स को तरजीह देनी शुरू कर दी, इससे कंपनियों का ग्राहक सेवा पर खर्च कम हुआ है। इसध्वजह सेध्कंपनियों ने कॉल सेंटर प्रतिनिधियों की संख्या घटाना शुरू कर दिया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव से कॉल सेंटरों का अस्तित्व खतरे में है। कैंपेन एशिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मई 2023 में इंडियन एयरलाइंस के चौटबॉट महाराजा ने 93 प्रतिशत ग्राहकोंध्केध्सवालों का समाधान बिना कॉल सेंटर प्रतिनिधि के पास भेजे किया है। कंपनियों की लागत कम करने के लिए यह आसान तरीका है, ताकि लोगों की कॉल सेंटरों पर निर्भरता कम की जा सके। मगर कई एप कॉल हेल्पलाइन की लिंक तक पहुंचने की प्रक्रिया को इतना जटिल बना देते हैं कि ग्राहकों को मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है। न्यू वॉइस मीडिया द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, खराब ग्राहक सेवा के कारण हर साल करीब 75 अरब डॉलर के व्यापार की हानि होती है। जिनमें कॉल सेंटरों और खराब सहायता तंत्र भी एक अहम कारण होते हैं। तकनीक के अंधाधुंध प्रयोग से मानवीय संवाद का स्थान एक निर्जीव तंत्र ने ले लिया है, जहां अब समस्याओं का समाधान मशीनों और बिना मौखिक संवाद केध्द्वारा किया जाता है। वहीं यह सिर्फ व्यापार और ग्राहक सेवा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर हमारे व्यक्तिगत और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ रहा है। तकनीक जब हमारे संचार के हर पहलू को नियंत्रित करती है, तो हम अपनी मानवीय संवेदनाओं से दूर होते जाते हैं। अंत में हमें इस बात पर विचार करना होगा कि तकनीक हमारे जीवन को जितना आसान बना रही है, उतना ही हमें मानवीय मूल्यों से दूर कर रही है। यह एक महत्वपूर्ण समय है, जब हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि तकनीक हमें उलझाने के बजाय हमारे जीवन को सुगम बनाए। सोशल नेटवर्किंग साइट्स हों या ऑनलाइन कंपनियां, ये हमारे जीवन का आज अहम हिस्सा बन गई हैं। चाहे अमेजन जैसे ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म से सामान मंगाना हो या ऊबर, ओला जैसी कैब सर्विस से कहीं जाना। इन एप आधारित कंपनियों ने हमारे रोजाना के कामों को सरल और सुविधाजनक बना दिया है। मगर इसका एक और पहलू भी है, इन तकनीकों और ऑनलाइन सेवाओं के फायदे के साथ कुछ चुनौतियां और समस्याएं भी जुड़ी हुई हैं।

प्रकाश के मनमोहक शहर की यात्रा

आदित्य

मेरी पत्नी और मेरी पत्नी की पेरिस और खास तौर पर पेरिस के आइकॉनिक सिंबल–एफिल टॉवर को देखने की दृढ़ इच्छा रही है। इसे मेरे बेटे और बहू ने साकार किया है, जो फिलहाल एम्स्टर्डम में काम कर रहे हैं। एम्स्टर्डम पहुंचते ही उन्होंने शानदार यूरोस्टार ट्रेन से पेरिस की दो दिवसीय आरामदायक यात्रा और 17 और 18 अगस्त को ठहरने की व्यवस्था की। पेरिस की स्थापना तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में श्सेल्टिक जनजातिश द्वारा सीन नदी के द्वीप पर एक बस्ती के रूप में की गई थी, जो मध्ययुगीन शक्ति के केंद्र से फ्रांस की शानदार राजधानी में तब्दील हो गई और कला, फैशन और बुद्धि के वैश्विक प्रतीक के रूप में विकसित हुई। बाद में पेरिस 52 ईसा पूर्व में रोमन साम्राज्य का हिस्सा बन गया और रोमनों ने बस्ती को एक शहरीकृत क्षेत्र में बदल दिया। रोमन साम्राज्य के पतन के साथ, पेरिस धीरे–धीरे 508 ईस्वी में उसके नियंत्रण से बाहर हो गया और श्फ्रैंकिश किंगडमश की राजधानी और अंततः एक आधुनिक यूरोपीय शहर बन गया। पेरिस ने दोनों विश्व युद्धों के दौरान एक महत्वपूर्ण और प्रतीकात्मक भूमिका निभाई। यह फ्रांस और मित्र राष्ट्रों के लिए एक महत्वपूर्ण सैन्य और राजनीतिक केंद्र था, सैन्य रसद, योजना और प्रचार का केंद्र था, युद्ध सम्मेलनों की मेजबानी करता था और प्रथम विश्व युद्ध के दौरान फ्रांसीसी प्रतिरोध और लचीलेपन का प्रतीक था। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मन सेना ने पेरिस पर कब्जा कर लिया, जिसने शहर के इतिहास में एक काला दौर दर्ज किया। अगस्त 1944 में, जनरल चार्ल्स डी गॉल के नेतृत्व में मित्र देशों की सेना और फ्री फ्रेंच फोर्स ने पेरिस को आजाद कराया। चार्ल्स डी गॉल ने आधुनिक फ्रांस के इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, और उनका प्र भाव सैन्य नेतृत्व से आगे बढ़कर देश के राजनीतिक परिवर्तन तक फैला, जिसने आधुनिक फ्रांसीसी राज्य को आकार दिया। पेरिस अपने श्एफिल टॉवरश के लिए सबसे ज्यादा जाना जाता है, जो अपने ऐतिहासिक, वास्तुशिल्प और सांस्कृतिक महत्व के संयोजन के साथ एक अद्वितीय और विश्व स्तर पर मनाया जाने वाला स्थल है। यह वास्तुकला के चमत्कार, अभिनव डिजाइन, सांस्कृतिक और कलात्मक प्रेरणा, वैश्विक मान्यता, ऐतिहासिक महत्व, प्रतिरोध और अनुकूलन, प्रकाश शो और कार्यक्रम, वैज्ञानिक और तकनीकी भूमिका, पर्यटन स्थल के रूप में स्थायी लोकप्रियता आदि के लिए विलक्षण रूप से प्रसिद्ध और अद्वितीय है। फिर पेरिस की जीवनरेखा 'सीन नदी', इसके पैदल यात्री पुल पर 'लव लॉक परंपरा', 'पोंट डी एलश्अल्मा सुरंग' वह दुखद स्थल है जहाँ राजकुमारी डायना की मृत्यु हुई, रूसी रूढ़िवादी चर्च आदि। पेरिस बेहतरीन होटलों, सड़क किनारे के रेस्तरां, विशिष्ट शॉपिंग सेंटर, पुराने दिखने वाले अपार्टमेंट, आवासीय भवन, दुकानें और सड़क पर खुलने वाले होटल, एक ही परिसर में आवासीय और वाणिज्यिक स्थान, विशेष पड़ोस, अद्भुत सड़क यातायात अनुशासन, साइकिल चलाने और पैदल चलने का शौक, दोपहिया वाहनों का कम उपयोग, एक विशिष्ट पेरिस शैली का वेश्यावृत्ति क्षेत्र, संकरी गलियाँ आदि के लिए जाना जाता है, जो असामान्य संस्कृति को दर्शाते हैं। फ्रांसीसी सेना की जीत का सम्मान करने के लिए 'आर्क डी ट्रायम्फ', 'चौंप्स–एलिसीस' एवेन्यू, 'लौवर संग्रहालय', 'म्यूसी डू क्वाई ब्रैनली–जैक्स शिराक' (संग्रहालय), 'कौर नेपोलियन और लौवर पिरामिड', 'म्यूसी डीश्ऑर्से' (संग्रहालय) जो कभी

रेलवे स्टेशन था जिसे गारे डीश्ऑर्से के नाम से जाना जाता थाआदि। ऐतिहासिक महत्व के अन्य स्थान हैंरू गोल्डन ट्राएंगल, नोट्रे–डेम कैथेड्रल, एलिजाबेथ द्वितीय फूल बाजार, पेरिस के सबसे पुराने पड़ोस में से एक लैटिन क्वार्टर, लक्समबर्ग विश्वविद्यालय, पैंथियन चर्च, लामारे वे आवासीय सड़क, सिटी हॉल पेरिस का नगरपालिका मुख्यालय, कब्रिस्तान, सैन्य संग्रहालय, नेशनल असेंबली बिल्डिंग, सीनेट बिल्डिंग, सैन शमा चर्च, मोंटमार्टे हिल, सैक्रे–कूर बेसिलिका, लक्समबर्ग गार्डन, एशियाई कला संग्रहालय, मानव विज्ञान संग्रहालय, गुब्बारे और ओलंपिक लौ के साथ श्आर्क डी ट्रायम्फ प्रतिकृतिश आदि। पेरिस आम तौर पर स्वागत करने वाला और विविधतापूर्ण है, जिसमें पड़ोस और समुदायों की एक समृद्ध टेपेस्ट्री है जो महानगरीय प्रकृति को दर्शाती है। वे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और सुव्यवस्थित शहर के रूप में पेरिस के चरित्र में योगदान करते हैंय और ऐतिहासिक आकर्षण, आधुनिक सुविधा और एक ऐसी जीवन शैली के पेरिस के अनूठे मिश्रण को दर्शाते हैं जो इसके निवासियों और आगंतुकों दोनों को महत्व देता है। शहरी स्थान को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करते हुए और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखते हुए अपने ऐतिहासिक आकर्षण को संरक्षित करने के लिए पेरिस की प्रतिबद्धता परिलक्षित होती है। दिलचस्प जगहें अद्वितीय शहरी विशेषताओं और ऐतिहासिक महत्व के बारे में जानकारी देती हैं। प्रत्येक मील का पत्थर पेरिस के समृद्ध ऐतिहासिक महत्व में योगदान देता है, जो फ्रांसीसी सैन्य इतिहास, विधायी प्रक्रिया और वास्तुकला की सुंदरता जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं का प्रतिनिधित्व करता है। हमारे परिवार के पाँच सदस्यों ने 'होटल रेनेसां' में चेक इन किया और पहले दिन रुक–रुक कर हो रही भारी बारिश के बीच रात 8 बजे के आसपास 'एफिल टॉवर' पहुँचे। एक भारतीय मूल की छात्रा ने हमारी यात्रा का मार्गदर्शन किया। लगभग डेढ़ किलोमीटर पैदल चलने और दो बार सुरक्षा जाँच से गुजरने के बाद, हम ग्राउंड फ्लोर की लिफ्ट में पहुँचे। व्हील चेयर पर बैठी मेरी पत्नी को अलग रास्ता दिया गया और मेरी बहू उसे धक्का देकर ले जा रही थी। ग्राउंड फ्लोर से लगभग 50 लोगों को बैचों में सीधे दूसरी मंजिल पर जाने की अनुमति दी गई।

हरियाणा उबल रहा है लेकिन नफरत इसका जवाब नहीं

विनोद

हम भारतीयों में एक तरह का आत्मसंतुष्टि भाव है, जिस तरह से हम खुद को एक ऐसी संस्कृति के रूप में पेश करते हैं, जिसे ष्अहिंसाष की अवधारणा पर गर्व है। शांति की एक ऐसी किरण जो हमें दूसरे इंसानों से अलग करती है। कुछ लोगों के लिए, इसी तरह से हमने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से अपनी आजादी हासिल की। घ्ध्हम इस बात पर गर्व कर सकते हैं, खुद को धर्मी मान सकते हैं, पाखंडी हो सकते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम क्या हासिल करना चाहते हैं। उदाहरण के लिए, हममें से कुछ लोग गायों के खिलाफ हिंसा को रोकने के मामले में क्रोधित हो सकते हैं। इस धारणा की रक्षा के लिए, हम अपने मवेशियों के लिए किसी भी संभावित खतरे के खिलाफ किसी भी तरह की हिंसा को मंजूरी देते हैं। अहिंसा है और अहिंसा है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप उस समय कहाँ खड़े हैं। जहाँ तक मैं अभी खड़ा हूँ, यह सब हिंसा के बारे में है। लगातार बढ़ रही है। क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि आत्मसंतुष्टि के बगल में उसका जुड़वाँ भाई, शर्म है? शर्म है कि हम अहिंसक हैं। शर्म है कि हमने दुनिया को हिंसक तरीके से नहीं जीता, जैसा कि कुछ अन्य महान संस्कृतियों ने किया है। शर्म की बात है कि जब जीत की बात आती है तो इतिहास हमें कठोरता से आंकता है। और जिसके लिए हमें सुधार करना चाहिए। गायों के लिए अहिंसा बनाए रखें। और बाकी के लिए हिंसा को बढ़ावा दें। कोलकाता का मामला जिसने सभी भारतीयों को क्रोधित कर दिया है और वास्तव में भाजपा को उत्साहित कर दिया है? अगर अफवाहें सच हैं, तो डॉक्टर को चुप कराने और उन लोगों को संदेश देने के लिए क्रूरतापूर्वक बलात्कार किया गया और मार दिया गया जो अस्पताल की नापाक गतिविधियों पर चिल्लाना चाहते थे। अपराध की प्रतिक्रिया उतनी ही क्रूर रही जितनी उसके साथ की गई थीरू उन्हें मार डालो, उन्हें पेड़ों से लटका दो। एक शांत विरोध जहां महिलाएं ष्रात को पुनः प्राप्त करनाष चाहती थीं, हिंसा और बर्बरता में बदल गई। 9 अगस्त से, जब युवा डॉक्टर की हत्या हुई, तब से खबरें हिंसा और यौन क्रूरता की पेट में मरोड़ पैदा करने वाली कहानियों से भरी हुई हैं। सभी उम्र की महिलाओं के खिलाफ। और मुसलमानों के खिलाफ। गायों के खिलाफ हिंसा के निराधार संदेह के कारण मुसलमानों पर हिंसक हमला किया गया। महिलाओं पर सामाजिक वर्चस्व के संदेश के रूप में हमला किया गया। हिंसा को एक धमकी के रूप में कि अनुपालन के बिना और अधिक हिंसा होगी। गायों के खिलाफ अहिंसा की जरूरत इतनी प्रबल है कि एक युवा हिंदू लड़के को मुस्लिम होने के संदेह में मार दिया गया। इस मौत पर प्रतिक्रिया भी उतनी ही मिली–जुली थी। "गाय के लिए अहिंसा" ब्रिगेड एक हिंदू को कैसे मार सकती है, जो परिभाषा के अनुसार गायों के खिलाफ अहिंसक भी है? मानो मुसलमानों के प्रति हिंसक होना – और अक्सर दलितों के प्रति – किसी तरह से अधिक समझ में आता है। आखिरकार, मुसलमान और दलित गायों से निपटते हैं और शायद वे सवर्ण हिंदुओं की तरह अहिंसक न हों। लेकिन एक ब्राह्मण लड़का? हिंसा के संतुलन को उलटने के लिए लड़के के माता–पिता की जरूरत थीरू मुसलमानों को मारना क्यों सही है, दुखी मां ने पूछा। क्या हिंसा का मौजूदा दौर केवल चुनाव से संबंधित है? भाजपा बंगाल पर नियंत्रण पाने के लिए बेताब है। इसने कई बार कोशिश की और असफल रही। लेकिन इस बार, आमतौर पर चतुर और सड़क पर चलने वाली ममता बनर्जी ने आंखें मूंद लीं। बंगाल वास्तव में कभी भी "अहिंसा" शिविर का हिस्सा नहीं रहा है। हिंसा बंगाल की राजनीति का एक अभिन्न अंग है। सभी भद्र लोग अपने सुसंस्कृत पवित्र स्थलों में सड़क पर अश्लीलता पर अपने होंठ सिकोड़ सकते हैं, लेकिन वे भी महात्मा गांधी की अहिंसक राजनीतिक प्रतिभा के बजाय नेताजी सुभाष बोस की विचारधारा को पसंद करते हैं। उग्र भीड़ आदर्श है। रणबींद्र संगीत की सौम्य सुंदरता से मूर्ख मत बनो। भाजपा उस बंगाल को, बम फेंकने वाले, शून्यवाद से प्रेरित बंगाल को सामने लाने की कोशिश कर रही है। भले ही वह इसके पीछे की बौद्धिक विचार प्रक्रियाओं को न समझे। वामपंथियों ने समझा। ममता बनर्जी समझती हैं। लेकिन अगर सड़क पर लड़ाई जीत जाती है, तो और पत्थर क्यों न फेंके जाएं और और नुकसान क्यों न किया जाए? जहां तक उत्तर भारत में मुसलमानों और महिलाओं के खिलाफ हिंसा का सवाल है, तो आम चर्चा में उनसे यही अपेक्षा की जाती है। हम जानते हैं कि अहिंसा समूहों को खुली छूट दी गई है। कि पुलिस पीछे खड़ी रहती है और जब तक वे सत्तारूढ़ दल के हैं, तब तक निगरानी करने वालों, गुंडों, बदमाशों आदि के साथ हस्तक्षेप नहीं करती। हम जानते हैं कि कई राज्यों में चुनाव हैं जहां भाजपा की सीधी जीत की संभावना कम है। क्यों न आबादी को नियंत्रण में रखने और हमेशा के लिए भय में रखने के लिए हमलों की एक नई श्रृंखला शुरू की जाए। आखिरकार, मणिपुर में अराजकता की स्थिति को एक साल से ज्यादा हो गया है, खूनी और लालची हमलों के साथ और सत्ता में बैठे लोगों द्वारा शांति स्थापित करने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। आप खुद से कह सकते हैं।

राजनीति की सच्ची भावना का प्रतिनिधित्व करते

संजय

1969 में जब वे अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के लिए हैदराबाद से नई दिल्ली आए, जो अलग तेलंगाना आंदोलन के कारण बाधित हो गई थी, तब भी वे वाई. सीताराम ही थे। हममें से जो लोग उन्हें जानते थे, उनके लिए सिर्फ "सीता"। वे ऑल सेंट्स हाई स्कूल में थे और मैं हैदराबाद पब्लिक स्कूल में, लेकिन हमारी दोस्ती हैदराबाद वाईएमसीए में होने वाले एक छात्र वाद–विवाद क्लब में हुई थी। एक मॉडल लोकसभा ने कई स्कूलों के छात्रों को एक साथ लाया और हमने वाद–विवाद करने वालों का एक गिरोह बनाया। सीता हमेशा से ही स्टार रहे – उज्ज्वल, स्मार्ट, मजाकिया और अच्छे दिखने वाले। वे अंत तक ऐसे ही रहे। 1966 में उन्होंने यूनाइटेड स्कूल्स ऑर्गनाइजेशन पुरस्कार जीता, जिसके तहत वे संयुक्त राज्य अमेरिका गए और व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति के साथ नाश्ता किया। हमारे युवाओं में लोकप्रिय जेएस पत्रिका जूनियर स्टेट्समैन ने उन्हें "भारत का भावी प्रधानमंत्री" घोषित किया। सीताराम येचुरी हैदराबाद के पहले लड़के थे, जिन्होंने तत्कालीन नए खुले जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में दाखिला लिया। हममें से कई लोगों ने उनसे जेएनयू के बारे में सुना था और उनके नक्शेकदम पर चले थे। इसी परिसर में वे एक छात्र नेता के रूप में उभरे। लेकिन वे इससे कहीं बढ़कर थे। वे एम.ए. अर्थशास्त्र के छात्रों के पहले बैच में क्लास टॉपर थे। उससे पहले उन्होंने हाई स्कूल की परीक्षा और दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज में अपने बैच में टॉप किया था। जेएनयू में उनके एक शिक्षक को उनका टर्म पेपर इतना अच्छा लगा कि वे उन्हें ए से ज्यादा देना चाहते थे और इसलिए उन्होंने उन्हें ष्ए अल्फाष ग्रेड दिया। पिछले कुछ दिनों में सीता के बारे में दो बातें कही गई हैं। एक तो यह कि वे एक राजनीतिक व्यावहारिक व्यक्ति थे और दूसरा यह कि वे एक खुशमिजाज व्यक्ति थे, हमेशा मुस्कुराते और मिलनसार। एक सच्चे हैदराबादी के दोनों गुण। बॉस, दिल पे मत लो! चलने दो, बालकिशन। जब वे हैदराबाद के दोस्तों के साथ होते थे, जैसे के. एस. गोपाल, वाटर मैन जो उनके सहपाठी और ऑल सेंट्स के करीबी दोस्त थे, तो बातचीत हमेशा ईरानी कैफे लिंगो में होती थी। पिछले कुछ दिनों में उनकी प्रशंसा की गर्मजोशी का एक कारण उनका प्यारा व्यक्तित्व था, तो दूसरा कारण समकालीन राष्ट्रीय राजनीति में उनका योगदान था। सीताराम ई. एम.एस. नंबूदरीपाद, ज्योति बसु और हरकिशन सिंह सुरजीत की "वामपंथी और लोकतांत्रिक" राजनीति की सच्ची भावना का प्रतिनिधित्व करते थे। यह व्यावहारिकता पी. सुंदरय्या और बी.टी. रणदिवे के वैचारिक और संगठनात्मक रूप से अधिक कठोर रुख के बिल्कुल विपरीत थी, जिसका प्रतिनिधित्व प्रकाश करात ने किया। 2008 में मनमोहन सिंह सरकार को सीपीआई (एम) के समर्थन के मुद्दे पर दोनों लाइनें टकरा गईं। जैसा कि मैंने उन वर्षों पर अपनी पुस्तक में दर्ज किया है, सीताराम ने वाम मोर्चे और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के बीच उस गठबंधन की रक्षा के लिए काफी ऊर्जा लगाई। यह वे ही थे जिन्होंने संसद में उन 12 बिंदुओं को स्पष्ट किया जो यूपीए–1 के कार्यकाल के दौरान भारत–संयुक्त राज्य अमेरिका असैन्य परमाणु ऊर्जा समझौते पर बातचीत करने वाले भारतीय राजनयिकों के लिए आधार रेखा बन गए। प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह ने अपने वार्ताकारों को निर्देश दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ अंतिम सौदा जो भी हो, उसे सीताराम द्वारा उठाए गए सभी 12 बिंदुओं को पूरा करना होगा। हालाँकि अंतिम समझौते से सीताराम संतुष्ट थे, लेकिन पोलित ब्यूरो के भीतर वैचारिक कठोरता के कारण माकपा ने गठबंधन से समर्थन वापस ले लिया। सीताराम ने ही मुझे स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और उसके बाद माकपा का सदस्य बनाया। 1987 में मेरी पहली मॉस्को यात्रा उन्हीं की बदौलत हुई थी।

न्याय तंत्र की प्रभावशीलता पर सवाल उठा रहे आंकड़े

ललित

हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में मृत्युदंड पाने वाले कैदियों की संख्या बढ़कर 561 हो गई है, जो पिछले 19 वर्षों में सर्वाधिक है। इससे पहले, जेलों पर नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, 2004 में मृत्युदंड पाने वाले कैदियों की सबसे ज्यादा संख्या 563 थी। हाल के वर्षों में यह वृद्धि कई कारणों से हो सकती है, जैसे, अपीलीय न्यायालयों द्वारा मामलों के निपटारे की कम दर और सुनवाई अदालतों द्वारा मृत्युदंड देने की बढ़ती प्रवृत्ति आदि। गौरतलब है कि दिल्ली स्थित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय द्वारा प्रोजेक्ट 39–ए के तहत मृत्युदंड पर वार्षिक रिपोर्ट जारी की जाती है। इसमें उल्लेख है कि 2023 में मृत्युदंड के 120 आदेश दिए गए थे, हालांकि इसमें कमी आई है, क्योंकि 2016 में 156 ऐसे आदेश दिए गए थे। वर्ष 2019 के बाद यौन अपराधों से जुड़े मामलों में ट्रायल कोर्ट ने सबसे ज्यादा मौत की सजा के आदेश दिए हैं। वर्ष 2023 में दुष्कर्म और हत्या सहित यौन अपराधों के लिए 64 लोगों (लगभग 53 फीसदी) को मौत की सजा सुनाई गई। यह 2016 में मौत की सजा पाए 27 कैदियों से ज्यादा है। 75 फीसदी मामलों में, अदालतों ने मौत की सजा तब सुनाई, जब मामला 12 साल से कम उम्र की पीड़िता के साथ दुष्कर्म और हत्या से जुड़ा था। पिछले साल भी 2020 के बाद से उच्च न्यायालयों में मौत की सजा की पुष्टि की सबसे कम निपटान दर देखी गई। महत्वपूर्ण बात यह है कि 2000 के बाद से अपीलीय अदालतों द्वारा मौत की सजा की पुष्टि की 2023 में सबसे कम दर दर्ज की गई। रिपोर्ट में कहा गया है, उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों ने जांच प्रक्रिया के प्रभावी नहीं होने और लोगों को दोषी ठहरा कर मौत की सजा सुनाने के लिए ट्रायल कोर्ट द्वारा भरोसेमंद साक्ष्यों की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता पर गंभीर चिंता जताई है। रिपोर्ट में दिए गए ये आंकड़े मृत्युदंड के मामलों की ऐसी स्थिति बयान कर रहे हैं, जिसमें न्याय तंत्र की प्रभावशीलता और विश्वसनीयता पर प्रश्न चिह्न लग रहे हैं। यहां भारत में मृत्युदंड की सांविधानिक स्थिति पर विचार करना समीचीन होगा। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 72 और अनुच्छेद 161 में क्रमशः राष्ट्रपति और राज्यपाल को मृत्युदंड को क्षमा करने की शक्ति दी गई है। ऐसा इसलिए है कि राष्ट्रपति जनता का सर्वोच्च निर्वाचित प्रतिनिधि है, अतः संप्रभु जनता में निहित ऐसी शक्ति का प्रयोग कर सकता है। दूसरी ओर, हरियाणा राज्य बनाम राजकुमार, 2021 मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्णय से पहले राज्यपाल मृत्युदंड को क्षमा नहीं कर सकता था, लेकिन इस मामले में न्यायालय ने कहा कि चूंकि राज्यपाल राष्ट्रपति का प्रतिनिधि होने के साथ–साथ राज्य का सांविधानिक प्रधान भी है, अतः दोनों की शक्तियों में कोई विभेद नहीं किया जा सकता।

भारतीय दंड संहिता में धारा 302 के तहत मृत्युदंड का प्रावधान था। वर्तमान में प्रचलित भारतीय न्याय संहिता में भी कई अपराधों में मृत्युदंड का प्रावधान है। जैसे हत्या, 12 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं के साथ दुष्कर्म और हत्या आदि। उच्चतम न्यायालय ने समय–समय पर मृत्युदंड की सांविधानिक वैधता के संबंध में निर्णय दिए हैं। भारत में मृत्युदंड को पहली चुनौती जगमोहन सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य, 1972 मामले में दी गई थी। न्यायालय ने माना कि मृत्युदंड की सजा परिस्थितियों की विस्तृत जांच और गंभीर मूल्यांकन के बाद दी जाती है, इसलिए ऐसी प्रक्रिया मृत्युदंड के प्रावधान को उचित ठहराती है और भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन नहीं करती है। न्यायालय ने यह भी कहा कि यह दंड कई न्यायिक सिद्धांतों पर आधारित है। राजेंद्र प्रसाद बनाम उत्तर प्रदेश राज्य, 1979 मामले में न्यायालय ने प्रतिशोधात्मक सिद्धांत से अलग हटकर सामाजिक लक्ष्यों के रूप में निवारण और सुधारात्मक सिद्धांत पर जोर दिया। इसके अलावा, न्यायालय ने माना कि मृत्युदंड के आदेश के लिए आवश्यक विशेष कारण अपराध से संबंधित नहीं होने चाहिए, बल्कि अपराधी पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

वर्ष 1980 में बच्चन सिंह बनाम पंजाब राज्य में मृत्युदंड की सांविधानिक वैधता को फिर से चुनौती दी गई। इस मामले में सबसे पहले, आजीवन कारावास और मृत्युदंड के बीच विकल्प वाले अपराधों के लिए आजीवन कारावास देने के नियम के संबंध में मृत्युदंड को अपवाद बना दिया गया था। दूसरे, राजेंद्र प्रसाद बनाम उत्तर प्रदेश राज्य, 1979 के सिद्धांत ने उस आधार की व्याख्या की थी, जिसके आधार पर श्मृत्युदंडश अपराधी की परिस्थिति से संबंधित होना चाहिए, न कि अपराध से। तीसरे, इसने मेनका गांधी बनाम भारत संघ, 1978 के आलोक में मृत्युदंड की समीक्षा की, क्योंकि प्रत्येक दंडात्मक कार्रवाई को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 के स्वर्णिम त्रिभुज परीक्षण को संतुष्ट करने के बाद तर्कसंगतता के परीक्षण को पूरा करना चाहिए। मृत्युदंड के संबंध में बच्चन सिंह मामले के अलावा मारू राम बनाम भारत संघ, 1980 मामले में भी न्यायालय ने कहा कि मृत्युदंड श्दुर्लभ में दुर्लभतमश मामलों में ही दिया जाएगा, अर्थात यह अपवाद स्वरूप ही दिया जाएगा। सवाल यह है कि आज के समय में, जब अधिकारों के प्रति दिन–प्रतिदिन जागरूकता बढ़ रही है और विशेषकर मानवाधिकारों के संबंध में कई राष्ट्रों ने मृत्युदंड को समाप्त करने पर जोर दिया है, भारत में भी मृत्युदंड की सांविधानिक वैधता पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। प्रत्यक्ष रूप से तो ऐसा दंड मानव अधिकारों के विरुद्ध लगता है, लेकिन कानून को हटाना या उसे इस आधार पर अवैध कहना तर्कसंगत नहीं होगा। देखना यह होगा कि ऐसा दंड किन परिस्थितियों में दिया गया है और यदि परिस्थितियां दुर्लभ में दुर्लभतम हैं, तो मृत्युदंड को तार्किक मानना होगा। लेकिन यदि मामले एक निश्चित समय–सीमा से अधिक समय तक लंबित रहते हैं या ऐसी सजा पाने वाले कैदियों को फांसी नहीं दी जाती, तो ऐसी स्थिति मानव अधिकारों या संविधान के स्वर्णिम त्रिभुज से असंगत मानी जाएगी। वर्ष 2019 के बाद यौन अपराधों से जुड़े मामलों में ट्रायल कोर्ट ने सबसे ज्यादा मौत की सजा के आदेश दिए हैं। वर्ष 2023 में दुष्कर्म और हत्या सहित यौन अपराधों के लिए 64 लोगों (लगभग 53 फीसदी) को मौत की सजा सुनाई गई।

अल्लीपुर महाविद्यालय ने लखनऊ विश्वविद्यालय से 5 गोल्ड मेडल तथा कानपुर विश्वविद्यालय से 12 गोल्ड मेडल प्राप्त किए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। हरदोई के अल्लीपुर महाविद्यालय ने लगातार दो वर्षो से लखनऊ विश्वविद्यालय के बी.एड. विभाग में सर्वाधिक अंक अर्जित कर स्वर्णपदक(गोल्ड मेडल) प्राप्त कर इतिहास रचा है। डॉ राम मनोहर लोहिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय अल्लीपुर हरदोई की मनीषा मिश्रा ने विश्वविद्यालय में बी.एड. में विभाग में सबसे अधिक अंक तथा बी.एड. और एम.एड. मिलाकर सर्वाधिक अर्जित कर दो स्वर्णपदक प्राप्त किये। दिपाली सिंह ने परास्नातक भौतिक विज्ञान (एम.एस–सी.) में लखनऊ विश्वविद्यालय के सर्वोच्च अंक प्राप्त कर स्वर्ण पदक (गोल्डमेडल)प्राप्त किया। यह गोल्ड मेडल लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 67 वें दीक्षान्त समारोह में महामहिम श्रीमती आनन्दी बेन पटेल राज्यपाल,उ.प्र., श्री योगेन्द्र उपाध्यय शिक्षा मन्त्री, श्रीमती रजनी तिवारी राज्य शिक्षामन्त्री उ.प्र. सरकार एवं पदमभूषण डॉ विजय पांडुरंग भातकर पूर्व कुलाधिपति नालन्दा विश्वविद्यालय, तथा प्रो. आलोक राय कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया।। विगत सत्र में बी.एड.की फाल्गुनी अनिहोत्री ने स्वर्णपदक प्राप्त किया था। लखनऊ विश्वविद्यालय से 5 गोल्ड मेडल प्राप्त हुये।

संस्थान के निदेशक डॉ. शीर्षेन्दु शील विपिन स्वर्णपदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनायें देकर इस वार्ता को सम्बोधित करते हुये कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय से 5 गोल्ड मेडल तथा कानपुर विश्वविद्यालय के 12 गोल्ड मेडल कुल 17 गोल्ड मेडल प्राप्त होना महाविद्यालय के संस्थापक प्रबन्धक डॉ. सुशील चन्द्र त्रिवेदी मधुपेश के सदूर ग्रामीण परिवेश में प्राथमिक शिक्षा से उच्च शिक्षा तक का शिक्षण प्रशिक्षण देकर संस्कारवान,राष्ट्रप्रेमी, स्वावलम्बी नागरिको का निमार्ण की संकल्पना का मूर्ति साकार स्वरूप हमारे सामने है। बच्चों के कठिन परिश्रम और डॉ. शशिकान्त पान्डेय, डॉ रश्मि द्विवेदी, डॉ विवेक बाजपेई, श्री आनन्द विशारद आदि शिक्षकों के योग्य अनुभवी, कुशल मार्गदर्शन के परिणाम स्वरुप यह सफलता प्राप्त हुयी। अल्लीपुर महाविद्यालय का इस सत्र का परीक्षा परिणाम शतप्रतिशत रहा है। जिस बी.एड. का लगातार 11 वे वर्षो से सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होना कीर्तिमान है इस सेमेस्टर के बी.एड. में 97 परीक्षा में सम्मलित हुये जिसमें से 94 बच्चों 80 प्रतिशत से अधिक तथा 3 बच्चों ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये । इस सेमेस्टर में बी.एड में प्रथम मनीषा देवी मिश्रा ने 82.50 प्रतिशत, द्वितीय प्रेरणा चन्द्रा, तृतीय नेहा बाजपेई रही । एम. एस–सी. भौतिक विज्ञान में प्रथम दिपाली सिंह ने 74.75 प्रतिशत, द्वितीय शिवानी मिश्रा, तृतीय अकीक परवेज रहे। बी.ए. में प्रथम अग्रिमा मिश्रा ने 86.83 प्रतिशत, द्वितीय प्रतिज्ञा श्रीवास्तव तृतीय साक्षी अग्निहोत्री रही। बी. एस–सी. में प्रथम मेध्या सिंह ने 84.50 प्रतिशत, द्वितीय शैलजा मिश्रा, तृतीय सक्षम त्रिपाठी रहे। बी.काम. में प्रथम हेमलता कश्यप ने 77.33 प्रतिशत, द्वितीय शक्ति त्रिपाठी, तृतीय अविरल बाजपेई रहे। एम.ए. अग्रेजी में प्रथम नित्या टण्डन, 72.21, द्वितीय कंचन कुशवाहा, तृतीय आकंक्षा रही। एम.ए. शिक्षाशास्त्र में प्रथम शिवांगी अग्निहोत्री ने 78.83 प्रतिशत, द्वितीय श्याम किशोर, तृतीय प्रवीण सिंह रहे। एम.एस–सी. जन्तु विज्ञान में प्रथम मुकेश कुमार ने 79.46 प्रतिशत, द्वितीय सुरभि अग्निहोत्री, तृतीय साक्षी सिंह रही। एम.एस–सी. रसायन विज्ञान में प्रथम शिवम तिवारी ने 65.67 प्रतिशत, द्वितीय राम रतन रहे। एम.एस–सी. वनस्पति विज्ञान में प्रथम रजनीश ने 73.38 प्रतिशत, द्वितीय मनोज यादव, तृतीय कविता भारती रही। अल्लीपुर महाविद्यालय से बी.एड. कर चुके 73 प्रतिशत विद्यार्थी शासकीयध्अनुदानितध्अशासकीय बेसिक, माध्यमिक विद्यालयों में चयनित होकर गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण कार्य कर रहे हैं जो सफलता द्योतक है। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर से सम्बद्धन के समय अल्लीपुर महाविद्यालय को विभिन्न सत्रो में एम.एस–सी जन्तु विज्ञान में कमल प्रकाश व रुपाली दीक्षित को, एम.एस–सी. वनस्पति विज्ञान में एस.एस. त्रिवेदी को एम. एस–सी. रसायन विज्ञान में सुस्मिता को तथा एम.ए. शिक्षाशास्त्र भावना पाठक तथा अंजली सिंह को, बी. एस–सी. में जिज्ञासा तिवारी को कुल 12 गोल्ड मेडल प्राप्त हुये है। शिक्षा क्षेत्र में उत्तम उपलब्धि के साथ ही शिक्षेणेत्तर कार्यों में कीर्तिमान स्थापित किये हैं। अन्तर्महाविद्यालयीय क्रिकेट प्रतियोगिता में महाविद्यालय की टीम विजेता है । वहीं बालिकाओं की खोकृखो टीम अन्तर्महाविद्यालयीय खो–खो प्रतियोगिता में उपविजेता के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अल्लीपुर महाविद्यालय के बच्चों को बारम्बर पुरुस्कृत किया गया हैं। महाविद्यालय में आधुनिकतम सुविधा से सुसज्जित सभी विषयों प्रयोगशालायें तथा पुस्तकालय व वाचनलय बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक हो रहे हैं। महाविद्यालय परिसर सोलर और वाइफाई की सुविधा से युक्त है। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) द्वारा समाजिक भावना का जागरण किया जाता है । पर्यावरण प्रति संवेदशील भावना को जागृत करने के महाविद्यालय की भूमि पर द्वारा बाग लगाया गया जिसके पेड़ों को बच्चों द्वारा अपने अध्ययनकाल में देखरेख सेवा की जाती है। आगामी वैच के बच्चों अपना पेड़ सेवार्थ गोद दिया जाता है। वर्तमान बाग में 34 प्रकार आम ,3 प्रकार आँवला, 9 प्रकार के अमरुद, बेल कटहल, आड़ू चीकू आदि के वृक्ष फलित हो रहे है। महाविद्यालय के छात्र व छात्राओं का प्रतिवर्ष शैक्षिक भ्रमण में हरिद्वार, वृन्दावन, आगरा, कोलकता आदि स्थलों भौगोलिक, सांस्कृतिक इतिहासिक और व्यवहारिक अध्ययन ज्ञानार्जन कराया जाता है। प्रेसवार्ता में संजीव अस्थाना, पारुल गुप्ता, संजय श्रीवास्तव, अवन्तिका अस्थाना, अनूप सिंह, सुमन कुशवाहा, नीरज शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

ठगी करने वाली कंपनियों के खिलाफ प्रदर्शन पर उतरे पीड़ित परिवार

सुल्तानपुर। अनी बुलियन, पल्स, सहारा समेत ठगी करने वाली कंपनियों के खिलाफ प्रदर्शन पर उतरे पीड़ित परिवार। कलेक्ट्रेट स्थित अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व न्यायालय के सामने किया प्रदर्शन ।केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए नए भुगतान की गारंटी कानून को लागू करने की उठाई आवाज। जिला प्रशासन की तरफ से अपेक्षा के अनुरूप सहयोग नहीं मिलने पर जताई नाराजगी। 18 दिन से चल रहे धरने के पश्चात फूटा आक्रोश। एडीएम राजस्व की तरफ से शिकायतें लेने और अपेक्षित कार्रवाई नहीं करने से लोगों में गुस्सा ।सुनवाई नहीं होने पर दी बेमियादी अनशन की चेतावनी।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव को कार्यक्रम में आने का न्योता दिया – मुर्तजा अली

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव से आज शराब बंदी संघर्ष समिति के अध्यक्ष मुर्तजा अली और नेशनल यूथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार सिंह वरिष्ठ प्रवक्ता डीपी यादव एक प्रतिनिधि मंडल दल के साथ उनसे मुलाकात किया इस मुलाकात में शराबबंदी संघर्ष समिति के अध्यक्ष मुर्तजा अली ने सपा के महासचिव शिवपाल सिंह यादव को 23 सितंबर पूजनीय स्वामी 1008 अविमुक्तेश्वरशनंद शंकराचार्य सरस्वती जी महाराज जी कार्यक्रम जो इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राजकुमार सिंह के द्वारा आयोजित किया जा रही है उसका निमंत्रण दिया उनसे आने का अनुरोध किया गया! उसके बाद और भी कई सामाजिक मुद्दों पर चर्चा हुई ! इस मौके पर शराबबंदी संघर्ष समित के आदि लोग शामिल थे।

पिहानी के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में बाल संवाद

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) बाल संवाद कार्यक्रम में बच्चों के मन से उपजे मासूम सवालों ने उपजिला अधिकारी शाहाबाद आई ए एस दीक्षा जोशी की खूब परीक्षा ली। सवाल–दर–सवाल एसडीएम ने बच्चों की हर जिज्ञासा का जवाब दिया। इस मौके पर एसडीएम ने बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की बात कही। एसडीएम ने कहा कि डॉक्टर होने के नाते वह बच्चों को स्वास्थ्य के लिए भी जागरूक कर रही हैं। छात्राओं ने हिंदुस्तान हिंदुओं का है या मुसलमानों का, आईएएस बनने के लिए कितनी पढ़ाई करनी पड़ती है, उच्च पद पर रहकर राजनीतिक दबाव व गुंडो से कैसे निपटती है, इंटरव्यू देने के लिए क्या सुंदर होना जरूरी है, गरीब छात्राएं क्या आईएएस नहीं बन सकती, क्या अध्यापक बनना आसान है जैसे मासूम सवालों का एसडीएम दीक्षा जोशी ने बड़ी सहूलियत से जवाब दिया। इस मौके पर एसडीएम ने एक–एक बिंदु पर छात्राओं से चर्चा की।बाल संवादश कार्यक्रम में बच्चों को एसडीम से मिलने का मौका मिला। तस्वीरें खिंचाई और सफलता का गुरुमंत्र भी लिया। छात्राओं की ओर से संस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। कस्तूरबा आवासीय विद्यालय की गरिमा बाजपेई, खंड शिक्षा अधिकारी व एसडीएम ने पौधारोपण भी किया। छात्राओं व विद्यालय के स्टाफ की ओर से एसडीएम दीक्षा जोशी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर राजन शुक्ला, राजस्व निरीक्षक संजय मिश्रा लेखपाल आशीष बाजपेई दुर्गेश पांडे आदि कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सत्येंद्र यादव ने किया।

बाइक सवार मजदूर को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मारी, मजदूर की मौत

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) संडीला–मल्लावां मार्ग पर सई नदी पुल के निकट बाइक सवार मजदूर को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही कासिमपुर पुलिस ने घायल को एम्बुलेंस से सीएचसी भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के ग्राम अटूका निवासी अवधेश कुमार (30) मल्लावां थाना क्षेत्र के ग्राम परस नेवादा अपनी ससुराल में रहता था। ससुराल से ही बुधवार सुबह साढ़े सात बजे संडीला स्थित इंडस्ट्रियल एरिया फैक्टरी मे काम करने के लिए बाइक से जा रहा था। रास्ते में गौसगंज गांव के निकट संडीला–मल्लावां मार्ग पर किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे मे अवधेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया पुलिस ने एम्बुलेंस से मल्लावां सीएचसी भेजा, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिवार मे पत्नी रूबी के अलावा एक पुत्र हैं। थाना अध्यक्ष अनिल सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम मल्लावां पुलिस करवा रही है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। अज्ञात वाहन की जानकारी जुटाई जा रही है।

प्रधानमंत्री के जन्म दिवस पर संकल्प ले कि उनके नेतृत्व में उनके आदर्शो का अनुसरण करेंगे – ए के शर्मा प्रभारी मंत्री

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर विकास , शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग, जनपद के प्रभारी मंत्री ए०के० शर्मा जी द्वारा प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर शाहगंज स्थित लक्ष्मी नारायण वाटिका में स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रभारी मंत्री ने प्रधानमंत्री जी के जन्म दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से विधायकों में प्रतिस्पर्धा की भावना उत्पन्न हुई है जिसके कारण सभी विधायक अपने–अपने क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्म दिवस पर संकल्प ले कि उनके नेतृत्व में उनके आदर्शो का अनुसरण करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के स्वच्छता के संदेश को क्रियान्वित कर रहे है तथा देश को विश्वगुरु बनाना चाहते है। उन्होंने आए हुए बच्चों से कहा कि अपने माता–पिता को भी जागरूक करें कि सूखा और गीला कूड़ा अलग–अलग रखा जाए। संचारी रोग तेजी से न फैले इसके लिए स्वच्छता अति आवश्यक हो जाती है। इस दौरान उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों और आम जनमानस को स्वच्छता के प्रति शपथ भी दिलाई। मंत्री जी के हाथों 21 दिव्यांगों को निःशुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल वितरित की गई, साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के 51 लाभार्थियों को आवास की सांकेतिक चाबी और 11 को स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किया गया। 10 स्वच्छ सारथी क्लब के सदस्य भी सम्मानित किए गए। प्रभारी मंत्री के द्वारा रक्तदान शिविर का भी फीता काटकर उद्घाटन किया गया। शाहगंज में स्वच्छता ही सेवा सप्ताह अभियान के तहत प्रभारी मंत्री द्वारा विधायकगण तथा अन्य के साथ झाड़ू लगाकर सफाई अभियान की शुरुआत की गई।

राज्यमंत्री खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव, विधायक बदलापुर रमेश चंद्र मिश्र, विधायक शाहगंज रमेश सिंह और एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंशू जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र, पुलिस अधीक्षक डॉ० अजय पाल शर्मा के द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण भी किया गया। राज्यमंत्री मंत्री खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव जी ने कहा कि प्रधानमंत्री भारत को आत्मनिर्भर विश्व गुरु बनाना चाहते हैं, उनके जन्मदिवस पर आज जगह–जगह पर रक्तदान शिविर, पौधारोपण, स्वच्छता आदि के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि प्रधानमंत्री जी के जन्म दिवस के अवसर पर प्रत्येक नागरिक संकल्प ले कि स्वच्छता हम सब की जिम्मेदारी है और सफाई कर्मचारियों का सहयोग प्रदान करें। उन्होंने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रेरणा से सभी ग्राम पंचायत में ग्राम सचिवालय की स्थापना की गई है जहां पर एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की सुविधा प्रदान की जा रही।

विधायक शाहगंज रमेश चंद्र सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का कार्य किसी ने किया है तो वह हमारे मा० प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी हैं। मातृशक्ति को सशक्त बनाने के लिए करोडों शौचालय देने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि यहां पर उपस्थित सभी बच्चे सबसे पहले अपने अपना घर और आस पड़ोस स्वच्छ रखना शुरू करें।

विधायक बदलापुर रमेश चंद्र मिश्रा ने कहा कि वर्तमान सरकार के द्वारा बिना भेदभाव के विकास किया जा रहे हैं केंद्रध्राज्य सरकार गरीबों के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है आज माननीय प्रधानमंत्री जी की जन्म दिवस के अवसर पर स्वच्छता अभियान चलाने का अनुरोध किया गया है। एमएलसी बृजेश सिंह (प्रिंशू) ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के स्वच्छता अभियान का जो नारा दिया है उसी की वजह से आम जनमानस में परिवर्तन हुआ है लेकिन अभी भी कुछ लोग इस अभियान से जुड़ नहीं पाए हैं उन्हें भी स्वच्छता सप्ताह से जुड़ते हुए एक स्वच्छ समाज के निर्माण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक वृक्ष मां के नाम अभियान को प्रधानमंत्री ने मां से इसलिए जोड़ा है क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति का अपनी मां के प्रति भावनात्मक जुड़ा होता है। उन्होंने कहा कि वायु और जल की नितान्त आवश्यकता होती है। आज हम प्रधानमंत्री जी के जन्म दिवस पर संकल्प ले कि अपने आसपास सफाई रखेंगे और पर्यावरण को प्रति जागरूक होंगे।

एल.पी.एस.ने मनाया फाउंडर्स डे

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेस की सभी शाखाओं की छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों ने आज फाउंडर्स डे मनाया । महाप्रबंधक हर्षित सिंह और शिखर पाल सिंह के दिशा निर्देशन में औषधीय पौधों के साथ–साथ अन्य पौधों को लगाया गया । कक्षाओं में बच्चों ने हरित कोना बनाया। वृंदावन सेक्टर–9 शाखा ने गोमती नगर स्थित जीवाश्रय में पालतू जानवरों के लिए उपयोगी वस्तुओं व खाद्य पदार्थों को भेंट किया। आम्रपाली योजना के शाखा के छात्रों ने आज स्कूल के आसपास जाकर पौधा वितरित किया । पारा स्थित हेड ऑफिस में भी पौधारोपण किया गया । असेनी मोड़, बाराबंकी शाखा में संस्थापक – अध्यक्ष डॉ. एस.पी.सिंह (सांसद) ने अपने प्रेरक व्याख्यान के माध्यम से शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को समाज निर्माण में अपना श्रेष्ठतम योगदान करते रहने का आह्वान किया। दृष्टि सामाजिक संस्थान और ज्योति भारतम संस्थाओं को भोजन बर्तन– थाल, सीलिंग फैन, आयरन, कंबल, बेडशीट ,तौलिया, प्रेशर कुकर और मजदूरों को शर्ट पैंट , साड़ी– ब्लाउज, पेटीकोट एवं खाने पीने के सामान वितरित किए गए । डॉ. एस.पी.सिंह के जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। उपनिदेशक मीना टांगड़ी ने डॉ. एस पी सिंह की कार्यशैली पर आधारित स्वरचित कविता सुभानल्लाह सुनाई बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। इस अवसर पर पूर्व एम.एल.सी. कांति सिंह, प्रबंध निदेशक सुशील कुमार, निदेशक नेहा सिंह व गरिमा सिंह,उपनिदेशक मीना टांगड़ी, सभी प्रधानाचार्य, निरीक्षक मंडल एवं शिक्षक गण उपस्थित रहे।

आरक्षण में उप वर्गीकरण का मामला एक डाकिया के तौर पर सरकार के समक्ष रखा जाएगा.... ब्रजेश पाठक

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने वंचित–शोषित सामाजिक संगठनों के अखिल भारतीय परिसंघ महादलित परिसंघ द्वारा आयोजित ष्वंचित–शोषित समाज के अधिकार सम्मेलनष् को लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेई साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर के ऑडोटोरियम में संबोधित करते हुए कहा कि षगरीब, शोषित, वंचितष् के उत्थान एवं उनके सर्वांगीण विकास की चिंता करने वाली एकमात्र भारतीय जनता पार्टी हैष् भाजपा सरकार में गरीब से गरीब व्यक्ति आज गरिमामयी जीवन जीने की ओर अग्रसर है, सरकार की प्रत्येक योजना के केंद्र बिंदु में गरीब, शोषित और वंचितों का उत्थान है। गरीब, शोषित, वंचितों के हितों के लिए कार्य करने वाले महादलित परिसंघ ने अति महत्वपूर्ण विषय आरक्षण में उपवर्गीकरण और नियमित प्रकृति के बारमासी कामों में संविदा और आउटसोर्सिंग के स्थान पर नियमितिकरण के लिए सरकार जल्द विचार करेगी। वंचितों के वास्तविक सामाजिक न्याय के लिए चन्दन लाल वाल्मीकि राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा आयोजित कार्यक्रम की प्रसंशा करते हुए देश के 12 राज्यों से आए विभिन्न सामाजिक प्रतिनिधियों का लखनऊ की पावन धरती पर आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। दिल्ली से आए

मुख्य वक्ता डॉ ओपी शुक्ला ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण के वर्गीकरण का फैसला कर दिया है, अब सरकारों की जिम्मेदारी है कि जो जातियां आरक्षण के लाभ वंचित हैं उन्हें समाज में बराबरी और समानता का लाभ दिलाएं। सम्मेलन में महामंडलेश्वर पूज्य श्री स्वामी चिदंबरानंद सरस्वती जी, महामंडलवेश्वर पूज्य श्री योगी नवल गिरी जी, पूज्य स्वामी पुरुषोत्तमानंद महाराज जी, ने संयुक्त रूप से वंचित समाज को गले लगाने की बात कही। परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री उमेश पिम्परे जी ने कहा वंचित जातियों को एक जुट होकर सरकारों पर आरक्षण उपवर्गीकरण कराने का दवाब बनाए जाने की अवश्यकता है।

कार्यक्रम आयोजक एवं राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री चंदन लाल वाल्मीकि ने कहा इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश से अलावा असम, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, उत्तराखंड, पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा, राज्यों से 72 संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

उत्तर प्रदेश के अवध क्षेत्र के अध्यक्ष दिनेश चंद्रा पूर्व विशेष सचिव सचिवालय ने कहा है सामाजिक कार्यों में सभी सामाजिक बंधुओं को भाग लेने की अवश्यकता है, हमें आपसी मतभेद बुला कर बड़े लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना होगा तब ही समाज का भला हो सकता है।

पवन सिंह चौहान सदस्य विधान परिषद ने वाल्मीकि समाज के बच्चों को शिक्षा की ओर अग्रसर होने की बात कही।

राज किशोर ने वंचित समाज की समस्याओं को जल्द हल कराने को कहा, सम्मेलन में

झारखंड रांची से तान्या वाल्मीकि, उमाशंकर परिहार, उत्तराखंड से रामू भारती जी, काशीपुर से जितेंद्र देवान्तक, हल्द्वानी से आशु पंडालिया नैनीताल से राजेश वाल्मीकि, पटना बिहार से विष्णु देव, पश्चिम बंगाल से हेमंत खोटे, अजय चंदेल, लक्ष्मण रजक, रमेश कलशाह, कुंदन कुमार, विश्वनाथ बांसफोर, नागपुर से दिलीप गोइनकर, राज कुमार, खरे, इन्दौर से पवन नरवले, नीमच से रोहित नरवले, गुजरात् से राजेश वाघेला, मध्य प्रदेश से विष्णु भारती, बालचन्द हवेलिया, किस्मत कुमार भुइयां, शिव शंकर मुंडा, लखनऊ से डॉक्टर नंद किशोर, अरूण कुमार, अजय धानुक, ब्रजेश चंद्रा, अखिलेश उटमालिया, दुर्गेश कुमार वाल्मीकि, सचिन वाल्मीकि, आर जे श्रद्धा, संत कुमार, देवी दीन, मेरठ से विपेन्द्र सुधा, शाहजहांपुर से सुरेंद्र नाथ वाल्मीकि पूर्व अध्यक्ष राज्य सफाई कर्मचारी आयोग, कालपी से महेन्द्र कुमार गौतम, महोबा से अशोक कुमार समूद्रे, बदायूं से बॉबी लाल, सुशील कुमार एडवोकेट, पीलीभीत मुकेश कुमार, रिक्की बाबू, बाराबंकी से सुमित वाल्मीकि, गोंडा से सनी वाल्मीकि, मुरादाबाद से ऋतु राज पथिक, बरेली से आकाश पुष्कर, रजत कुमार, कानपुर से रवि शंकर हवेलकर, अश्वनी कुमार, प्रदीप कुमार, रविंद्र कुमार, सीतापुर से सरोज कुमार डॉक्टर ऋषभ कुमार, डॉक्टर वैशाली, सभासद कुसुम लता, अनिल कुमार दीवान, जालौन से किशोरी लाल वाल्मीकि, अजय नाहर, झांसी से महेश प्रसाद, अंबेडकर नगर से अयोध्या प्रसाद धारकर, लखीमपुर से सुरेश सौरभ, श्याम किशोर बेचौन, इलाहाबाद से सुन्दर लाल आनन्द, फतेहपुर से अमरजीत भारती, रायबरेली से शिव शंकर वाल्मीकि, कोशांभी से रामू भारती, ने अपने विचार व्यक्त किए एवं भारी संख्या में गणमान्यजन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आर्यावर्त बैंक द्वारा अपग्रेडेड CBS कंप्यूटर सेवा के अंतर्गत फिनेकल–10 का उद्घाटन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आर्यावर्त बैंक, जो उत्तर प्रदेश शासन, भारत सरकार एवं प्रायोजक बैंक बैंक ऑफ इंडिया का संयुक्त उपक्रम है एवं जो भारत सरकार के क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक एक्ट 1976 द्वारा विधिपूर्वक स्थापित अंशदान कि दृष्टि से भारतीय स्टेट बैंक के बाद पूर्णतः सरकारी बैंक है (क्यूंकि कोई भी प्राइवेट शेयर नहीं है), उत्तर प्रदेश के 26 जिलों में अपनी 1367 शाखाओं के द्वारा शहरी, अर्थशहरी, व मुख्यतः ग्रामीण जनता को उत्कृष्ट बैंकिंग सेवा प्रदान करता आ रहा है. बैंक ने दिनांक 17.09.2024 को कम्प्यूटरीकरण सेवा के नवीनतम आयाम फिनेकल 10 को सेवा में जोड़कर ग्राहकों को अत्याधुनिक सेवाएँ प्रारंभ की। बैंक के अध्यक्ष संतोष. एस. ने शुभ अवसर पर केक काटकर इस सुविधा का जनहित में विमोचन किया तथा उन्होंने इस अवसर पर बताया कि आर्यावर्त बैंक अपने कुशल व समर्पित स्टाफ के जरिये अपने सेवा क्षेत्र में अत्याधुनिक बैंकिंग सुविधा उपलब्ध करा रहा है। इस अवसर पर महाप्रबंधक अरविन्द सिंह ने कहा कि ये अभी एक कदम है मंजिल तो ग्राहकों को नवीनतम तकनीक प्रदान करके ही मिलेगी। उन्होंने आई.टी. विभाग के मुख्य प्रबंधक राजेश वर्मा और उनकी टीम की भूरि–भूरि प्रशंसा की। फिनेकल 10 द्वारा ग्राहकों को ना केवल उत्कृष्ट कम्प्यूटरीकृत बैंकिंग सेवा प्राप्त होगी वरन ये सिस्टम साइबर क्राइम से ग्राहकों को सुरक्षित करता है एवं ट्रांजेक्शन की तीव्रता समयबद्धता एवं पारदर्शिता भी सुनिश्चित करता है। इस अवसर पर अध्यक्ष संतोष, एस., महाप्रबंधक अरविन्द सिंह, महाप्रबंधक जितेन्द्र प्रसाद, महा प्रबंधक रणधीर कुमार एवं विजिलेंस अधिकारी समीर देशपांडे एवं समस्त प्रधान कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

सशक्त पैरवी के लिए जुटे अभ्यर्थी, वरिष्ठ अधिवक्ताओं को उतारने का प्रयास

लखनऊ, संवाददाता। 69000 शिक्षक भर्ती में सुनवाई की अगली तिथि 23 सितंबर लगी है। ऐसे में आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी अब आंदोलन से ज्यादा सुप्रीम कोर्ट में मामले की सशक्त पैरवी की तैयारी में लग गए हैं। अभ्यर्थी अपने केस की पैरवी के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को उतारने की तैयारी में हैं। इसके लिए भी वह अभियान चला रहे हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की डबल बेंच के आदेश के अनुपालन के लिए आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के साथ ही कई कैबिनेट मंत्रियों के आवास का घेराव कर नियुक्ति देने की मांग कर चुके हैं। इसी बीच अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए और इस पर सुनवाई के बाद 23 सितंबर तक स्टे लगा दिया गया है। अब इस मामले की सुनवाई की तिथि करीब आने के साथ ही आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी सुप्रीम कोर्ट में मजबूत पैरवी की तैयारी में लग गए हैं। यही वजह है कि फिलहाल घेराव आदि के आंदोलन का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने कहा कि काफी समय से चल रही लड़ाई में अब जाकर हमारे पक्ष में निर्णय आया है। ऐसे में इसमें किसी तरह की कमी न रह जाए इसलिए हम सुप्रीम कोर्ट में बेहतर पैरवी की तैयारी में लगे हैं। हम वरिष्ठ से वरिष्ठ वकील अपने पक्ष में पैरवी के लिए खड़ा करेंगे।

इसके लिए कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं से वार्ता भी हो गई है। इसके लिए सभी आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी मिलकर अपने स्तर से तैयारी कर रहे हैं। 23 सितंबर की सुनवाई के बाद हम आगे की रणनीति तय करेंगे।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने नौ साल में कमाए 33 लाख, खर्च किया एक करोड़ रुपये

लखनऊ, संवाददाता। भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एसीओ) ने लखनऊ विकास प्राधिकरण के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ओमप्रकाश सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मुकदमा दर्ज किया है। शासन के निर्देश पर एसीओ ने ओपी सिंह की संपत्तियों की प्रारंभिक जांच में पाया कि उन्होंने अपनी कुल वैध आय से तीन गुना अधिक रकम चल–अचल संपत्तियों को अर्जित करने में खर्च की। एसीओ के लखनऊ थाने में दर्ज मुकदमे के मुताबिक, गृह विभाग के संयुक्त सचिव ने जून, 2022 में मूल रूप से अमेठी एवं वर्तमान में गोमतीनगर के विपुल खंड में रहने वाले ओपी सिंह की भ्रष्टाचार से अर्जित संपत्तियों की जांच का आदेश दिया था। जांच में सामने आया कि 1 जनवरी 2013 से 31 मई 2022 के बीच ओपी सिंह ने वेतन, एरियर, बोनस तथा बैंक ब्याज समेत आय के सभी वैध स्रोतों से कुल 33,58,867 रुपये अर्जित किए।

वहीं, इस दौरान उन्होंने चल–अचल संपत्तियों को अर्जित करने तथा भरण–पोषण में 1,02,88,143 रुपये व्यय किए। इस तरह उन्होंने अपनी वैध आय से 69.29 लाख रुपये अधिक व्यय किए। जब इस अंतर के बारे में उनसे जवाब–तलब किया गया तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इसके बाद एसीओ ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

संक्षिप्त खबरें

विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर 50,000 करोड़ का ऋण वितरित करेंगे सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रयासरत सीएम योगी राज्य की पारंपरिक कलाओं, हस्तशिल्प, माटीकला व ओडीओपी के हस्तशिल्पियों व कारीगरों की प्रशस्ति की दिशा में एक और श्मील का पत्थरश रखने जा रहे हैं। मंगलवार को विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में वह विश्वकर्मा श्रम सम्मान व ओडीओपी तथा माटीकला के अंतर्गत हस्तशिल्पियों को टूलकिट प्रदान करने के साथ ही 50,000 करोड़ का ऋण वितरित करने जा रहे है। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपिटर हॉल में सायं 4 बजे हो रहे इस वितरण कार्यक्रम में हस्तशिल्पियों व कारीगरों के उचित सम्मान के साथ ही प्रदेश की पारंपरिक कला के प्रश्रय देने का नया मार्ग सुनिश्चित होगा। उल्लेखनीय है सीएम योगी प्रदेश की पारंपरिक कलाओं को प्रश्रय देने के साथ ही इसे उद्यमिता से जोड़कर देश विदेश में बड़े स्तर पर प्रमोट करते हैं। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओडीओपी पॉलिसी की देशभर में चर्चा है। इससे न केवल प्रदेश की पारंपरिक कलाओं को एक बड़ा मंच मिलना संभव हो सका है, बल्कि पूरी दुनिया में ओडीओपी प्रोडक्ट्स की धाक जम रही है। सीएम योगी का मौजूदा प्रयास इसी कड़ी को और मजबूत कर विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रदेश के सभी हस्तशिल्पियों, कारीगरों को उचित सम्मान व प्रोत्साहन पहुंचाने का जरिया सिद्ध होने जा रहा है।

एक्सप्रेसवे पर ट्रक में पीछे से टकराई बस, सात यात्री घायल

उन्नाव, संवाददाता। लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे पर सई नदी के पास तेज रफ्तार स्लीपर बस सुबह चार बजे आगे चल रहे आलू लदे ट्रक से टकरा गई। हादसे के वक्त बस में 34 यात्री थे। इनमें सात को हल्की चोटें आईं। पुलिस के मुताबिक, हादसा चालक को झपकी आने से हुआ। गनीमत रही कि बस पलटी नहीं। बस दिल्ली से 34 यात्रियों को लेकर गोरखपुर जा रही थी। हादसे में बस सवार अयोध्या के जयसिंहपुर निवासी हिमांशू (27), शिवकुमारी (59), दुर्गेश (50), अमरजीत (32), अनुराधा (35), बस्ती जिले के चौकी खजौला निवासी सुमन यादव (27), दिल्ली के नंदन नगरी की सिमरन सिंह (30) को चोटें आईं। पुलिस और यूपीडा की रेस्क्यू टीम ने घायल यात्रियों को एंबुलेंस से औरास सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को दूसरे वाहनों से भेजा गया। गनीमत रही कि बस पलटी नहीं वरना बड़ा हादसा हो जाता। थानाध्यक्ष अश्वनी मिश्र ने बताया कि घटना में सात सवारियों को मामूली चोटें आई थीं। प्राथमिक उपचार के बाद सभी चले गए।

आपराधिक घटनाओं वाले स्थान करें चिह्नित – एएसपी

बांदा, संवाददाता। एएसपी बदौसा और नरैनी कोतवाली का आकस्मिक निरीक्षण किया। दोनों थानों में अभिलेखों व रजिस्टरों का अवलोकन कर उन्हें व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। थाना प्रभारियों से क्षेत्र के आपराधिक घटनाओं की जानकारी ली। कहा कि स्थान चिह्नित करें, जहां रात में आपराधिक घटनाएं अधिक होती हैं। ऐसे स्थानों पर पुलिस निरंतर गश्त करे। इसके अलावा वांछित की गिरफ्तारी की जाए। लंबित विवेचनाओं का निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। इसी क्रम में चौकी खुरहंड का भी निरीक्षण किया गया तथा मिली कमियों को दूर करने हेतु चौकी प्रभारी को निर्देशित किया गया। थाना नरैनी में विवेचकों का अर्दली रूम किया गया। लंबित विवेचना की समीक्षा करते हुए सभी विवेचकों को विवेचनाओं के जल्द निस्तारण के निर्देश दिए।

समस्याओं को लेकर जदयू महिला मंच ने दिया धरना

बांदा, संवाददाता। जनता दल (यू) महिला मंच के बैनर तले ग्रामीणों ने जीआईसी मैदान में धरना दिया और विरोध प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में समस्याओं के निस्तारण की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष शालिनी पटेल की अगुवाई में डीएम को सौंपे ज्ञापन में कहा कि हर घर नल योजना (नमामि गंगे योजना) में कार्यदायी संस्था एलएंडटी व एनसीसी ने गांवों व मजरों मे पाइपलाइन के लिए सड़कें खोदी हैं, जो आज तक नहीं बनीं। बिजली विभाग की ओर से फर्जी बिल भेजकर जबरन वसूली की जा रही है। श्रम विभाग की एक साल से वेबसाइट बंद है। श्रमिकों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। गांव–गांव चल रही अवैध शराब की दुकानों को बंद कराया जाए। धरना में जदयू श्रमिक प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र कुमार भारतीय, जिलाध्यक्ष उमाकांत सविता, अर्जुन सिंह,जय प्रकाश निगम,दिलीप गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

मानसिक बीमारी से परेशान 9वीं की छात्रा ने फंदा लगाकर दी जान

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में बिधनू के भारू बंगला गांव में सोमवार को मानसिक बीमारी से परेशान 9वीं की छात्रा पूजा उर्फ अनामिका (15) ने फंदे से लटककर जान दे दी। उसका शव पंखे के कुंड़े में दुप्पटे के सहारे लटका मिला। मजदूर कुंवर चंद के परिवार में पत्नी छोटी, बेटी पूजा उर्फ अनामिका और बेटा अमन हैं। परिजनों के मुताबिक पूजा बीते कुछ महीने से मानसिक तौर पर बीमार रहती थी। एक सप्ताह पहले मां छोटी घाटमपुर स्थित मिर्जापुर गांव मायके चली गई थी। वहीं, सोमवार सुबह पिता कुंवर चंद काम पर गए थे, जबकि भाई अमन घर के बाहर था। इसी दौरान पूजा ने कमरे में बड़े बक्से के ऊपर छोटा बक्सा रखकर पंखे के कुंडे से दुप्पटे के सहारे फंदे से लटककर जान दे दी।

थानाध्यक्षों और चौकी इंचार्जों की जीपीएस से लोकेशन लेंगे एसपी

उन्नाव, संवाददाता। थानाध्यक्ष व चौकी इंचार्ज घटनास्थल पर किस समय पहुंचे, इसकी लोकेशन एसपी अपने कार्यालय में बने कंट्रोलरूम के साथ मोबाइल और लैपटॉप पर देख सकेंगे। नवागत एसपी ने इनके सरकारी वाहनों में जीपीएस (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) लगाने के निर्देश दिए हैं। एक सप्ताह में प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। एसपी दीपक भूकर ने 13 सितंबर को जिले में चार्ज लिया था। उनके आते ही बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में डकैती की घटना हो गई। उन्होंने घटनाओं की समीक्षा की तो चोरी की बढ़ती घटनाओं पर नाराजगी जताई। उन्होंने पुलिस की रात्रि गश्त में शिथिलता पर भी नाराजगी जताई है। घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए उन्होंने नई योजना तैयार की है। उन्होंने सभी 21 थानों के थानाध्यक्षों के साथ चौकी इंचार्जों की गाड़ियों में जीपीएस लगाने के निर्देश दिए हैं, ताकि उनकी पूरे दिन की लोकेशन मिलती रहे। एसपी ने बताया कि अभी तक इनके सरकारी वाहनों में जीपीएस सिस्टम नहीं लगा है। गाड़ियों में जीपीएस लगने से रात्रि गश्त में सुधार होगा। हाईवे पेट्रोलिंग भी दुरुस्त होगी। उन्होंने बताया कि इसका कंट्रोल रूम एसपी कार्यालय में बनेगा। साथ ही उनके मोबाइल और लैपटॉप पर भी कनेक्टिविटी रहेगी। 24 घंटे में किसी भी समय लोकेशन देखी जा सकेगी।

ऐसे काम करेगा सिस्टम

गाड़ियों में जीपीएस सिस्टम लगते ही गाड़ी की वर्तमान पोजीशन अपग्रेड होती रहेगी। पुलिस कंट्रोल रूम से उनकी ट्रैकिंग होगी। एसपी के मुताबिक, किसी थानाक्षेत्र में घटना होने पर पुलिस की रात्रि गश्त चेक करनी हो तो कंट्रोल रूम में संबंधित गाड़ी की आईडी पर क्लिक करना होगा। संबंधित गाड़ी कहां गश्त कर रही है या कहां खड़ी है, इसका पता चल जाएगा। लापरवाही पर कार्रवाई होगी।

हरी झंडी दिखवाते वक्त ट्रैक पर गिरीं भाजपा विधायक, टला बड़ा हादसा, सुरक्षाकर्मियों ने ली राहत की सांस

इटावा, संवाददाता। इटावा रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने गई सदर विधायक सरिता भदौरिया धक्कामुक्की के कारण ट्रेन के आगे रेलवे ट्रैक पर गिर गईं। इससे स्टेशन पर उहापोह का माहौल हो गया। आनन फानन में सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें ट्रेक से उठाया, तब कहीं जाकर लोगों ने राहत की सांस ली।

ट्रेन में सफर हवाई जहाज जैसा लगा

आगरा कैंट से वाराणसी के लिए शुरू की जा रही वंदे भारत ट्रेन को सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पहले दिन ट्रेन का संचालन विशेष ट्रेन के रूप में किया गया। इस दौरान 80 यात्रियों ने इटावा से कानपुर तक का सफर किया। यात्रियों ने कहा कि इस ट्रेन में सफर हवाई जहाज जैसा लगा। वहीं, ट्रेन के नियमित होने के बारे में जानकारी नहीं दी गई। इटावा जंक्शन पर वंदे भारत ट्रेन शाम छह बजकर पांच मिनट पर पहुंची। ट्रेन पांच मिनट रुकी। छह बजकर 10 मिनट पर राज्यसभा सांसद गीता शाक्य, लोकसभा सांसद जितेंद्र कुमार दोहरे, पूर्व सांसद डॉ. राम शंकर कठेरिया, सदर विधायक सरिता भदौरिया और रेलवे के सीनियर डीसीएम हिमांशु शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वहीं, लोगों ने ट्रेन के चालक और परिचालक का स्वागत माला पहनाकर किया।

ट्रेन के स्टेशन पर रुकते ही लोगों में फोटो खींचने और सेल्फी लेने की होड़ लग गई। ट्रेन को देखने और सवारी करने के लिए जंक्शन पर शाम चार बजे से ही लोग पहुंचने लगे थे। रेलवे की ओर से ट्रेन में सवारी करने के लिए 80 पास जारी किए गए थे। इस बीच कई लोग बिना टिकट ट्रेन में प्रवेश कर गए। पिछले स्टेशन से ट्रेन पर सवार कई यात्री उतरे ही नहीं। ऐसे में ट्रेन में भीड़ काफी बढ़ गई और पासधारकों को खड़े होकर यात्रा करनी पड़ी। यात्रा की तमन्ना लेकर स्टेशन पहुंचे कई लोगों को सेल्फी से ही संतोष करना पड़ा। पहले दिन ट्रेन ने एक घंटा 20 मिनट में कानपुर का सफर किया।

कब नियमित होगी, किसी को नहीं पता

आगरा कैंट से वाराणसी के बीच शुरू हो रही वंदे भारत का ठहराव टूंडला, इटावा, कानपुर एवं प्रयागराज जंक्शन पर होना है। इसकी समयसारिणी रेलवे की ओर से पहले ही जारी की जा चुकी है, लेकिन नियमित रूप से ट्रेन कब से शुरू होगी इस बारे में जानकारी उद्घाटन के एक दिन पहले तक नहीं दी गई। इससे लोगों में इस असमंजस बना हुआ है। रेलवे के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि अभी तक आगरा वंदे भारत का नोटिफिकेशन जारी नहीं हुआ है।

खूब लगे पक्ष–विपक्ष के नारे

ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के लिए सपा और भाजपा के जनप्रतिनियों को आमंत्रित किया था। सपा से सांसद जितेंद्र कुमार दोहरे तो भाजपा की राज्यसभा सांसद गीता शाक्य , पूर्व सांसद डॉ. रामशंकर कठेरिया और सदर विधायक सरिता भदौरिया रहीं। इस बीच स्टेशन पर दोनों दलों के समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की। सपा की ओर से जय अखिलेश तो भाजपा की ओर से घर–घर मोदी के नारे लगाए गए।

गाड़ी लग्जरी, पर रुटीन में जाना संभव नहीं

इटावा जंक्शन पर वंदे भारत को देखने पहुंची श्रृष्टि चौहान का कहना था कि इटावा से कानपुर और आगरा जाने के लिए वंदे भारत बेहतर ट्रेन है। इससे कम समय में सभी सुविधाओं के साथ लोग अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। उन्होंने कहा कि मेरा अनुमान है।

पुलिस ने मृतक के खिलाफ की विवेचना, कोर्ट में लगा दी चार्जशीट

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में छह साल पहले कोर्ट के आदेश पर हरीपर्वत थाने में मुकदमा दर्ज हुआ। पुलिस ने विवेचना कर चार्जशीट लगाई। पांच साल बाद एक आरोपी मंगल सिंह को जेल भेजा। जमानत पर छूटने के बाद आरोपी ने पुलिस की विवेचना पर सवाल उठा दिए हैं। दावा किया कि मुख्य आरोपी की मौत मुकदमा दर्ज होने से दो साल पहले ही हो गई थी। फिर भी विवेचना में इसे शामिल नहीं किया। पुलिस की गलत विवेचना से उसे जेल जाना पड़ा। वर्ष 2018 में कोर्ट के आदेश पर थाना हरीपर्वत में मुकदमा दर्ज हुआ था। वादी श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के शाखा प्रबंधक नवीन गौतम थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कैलाश, न्यू आगरा निवासी प्रताप ने एक गाड़ी फाइनेंस कराई। दयानंद नगर, नगला पदी निवासी मंगल सिंह राना गारंटर थे। आरोप लगाया कि प्रताप ने ऋण की अदायगी नहीं की। कर्मचारियों ने जानकारी मांगी तो प्रताप ने गाली–गलौज की, धमकी दी।

रियल स्टेट कंपनी के कर्मियों से मारपीट में पांच गिरफ्तार

अयोध्या, संवाददाता। कोतवाली अयोध्या के तिहुरा मांझा क्षेत्र में जमीन पर कब्जेदारी के दौरान एक रियल स्टेट कंपनी के कर्मचारियों और ग्रामीणों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामले में रियल स्टेट कंपनी के कर्मचारियों की तहरीर पर पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ केस दर्ज करके पांच आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया है। दर्ज एफआईआर में रियल स्टेट कंपनी के कर्मचारी हरियाणा निवासी मनोज कुमार ने बताया कि कंपनी ने राम आशीष यादव के खेत की जमीन को लेने के लिए रजिस्ट्री कराई थी। इस जमीन पर पिलर लगाकर कब्जा करने के लिए वह 12 सितंबर की दोपहर लगभग 12 बजे अन्य कर्मचारियों के साथ गए और और पिलर लगाया जा रहा था। पूर्व से ही इस जमीन पर रामरूप माझी ने कब्जा किया था।

इस बीच रमेश माझाी, रवीश माझी, दीपक माझी, धर्मेंद्र माझी, विजय माझी, राजेश माझी,कुलदीप माझी, गोलू माझी और अरविंद माझी पहुंचे और मारपीट करने लगे। जान से मारने की नीयत से उन्होंने सिर पर पीछे से डंडे से वार कर दिया जिससे उनका सिर फट गया और गंभीर चोटें आईं। बाद में वह लोग जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। कोतवाल अयोध्या मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

मवेशी बेचकर कराया इलाज, फिर भी सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता की चली गई जान

कानपुर, संवाददाता। सामूहिक दुष्कर्म से आहत होकर कीटनाशक पी लेने वाली महाराजपुर थाना क्षेत्र की नाबालिग की सोमवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। अपनी बेटी की जान बचाने के लिए पिता ने क्या नहीं किया। जीविका के साधन मवेशियों को बेच डाला।रिश्तेदारों से कर्ज भी लिया, लेकिन नाबालिग को बचाया नहीं जा सका। महाराजपुर क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले किसान ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी 13 साल की बेटी क्षेत्र के एक स्कूल में सातवीं कक्षा में पढ़ती थी। 30 अगस्त की देर रात घर के बाहरी हिस्से में बने कमरे में वह पढ़ाई कर रही थी। वह पत्नी और बड़े बेटे के साथ भीतर आंगन में सो रहे थे। रात करीब 12:30 बजे गांव के ही इरफान उर्फ काकू, इजराइल, राजा उर्फ इस्लाम और इमरान वहां पहुंचे। इरफान कमरे में घुस गया और बेटी के साथ दुष्कर्म किया। उसके शोर मचाने पर माता–पिता बाहर निकले तो इरफान को पकड़ लिया, लेकिन वह दोनों को धक्का देकर भाग गया। उसके साथ ही घर के बाहर मौजूद इजराइल, राजा उर्फ इस्लाम और इमरान भी धमकी देते हुए भाग निकले। इस दौरान इरफान का मोबाइल मौके पर ही छूट गया था। मामले में पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म की धारा व पॉक्सो एक्ट में

रिपोर्ट दर्ज की थी। इसके बाद चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इधर घटना और फिर धमकी से आहत नाबालिग ने 31 अगस्त की दोपहर कीटनाशक पी लिया था। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे हैलट में भर्ती कराया था, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। इसके बाद सिविल लाइंस स्थित एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया। वहां पर इलाज के दौरान सोमवार सुबह मौत हो गई।

आरोपियों को कड़ी सजा दिलाएंगे

नाबालिग की मौत के बाद आरोपियों पर धारा बढ़ाई जाएगी। इसके साथ ही आरोपियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए जल्द आरोप पत्र दाखिल होगा। चारों को कड़ी सजा दिलाने की हर संभव प्रयास किया जाएगा।

एक ही परिवार से जुड़े हैं चारों आरोपी

चारों आरोपी एक ही परिवार से जुड़े हैं। गांव में रहने वाले दो भाई इस्माइल और असलम हैं। दोनों भाइयों के चारों बेटे इस घटना में शामिल हैं। आरोपी इरफान उर्फ काकू और इमरान सगे भाई व असलम के बेटे हैं। राजा उर्फ इस्माइल और इजराइल सगे भाई हैं व इस्माइल के बेटे हैं। आरोपियों के पिता असलम की गांव में परचून की दुकान है। दूसरे आरोपी भाइयों के पिता इस्माइल का गांव में ट्यूबवेल है और फूलों की खेती करता है। अपने–अपने पिता के कारोबार में हाथ बंटाते हैं।

दुष्कर्म का मामला

आरोपी इस्लाम उर्फ राजा के खिलाफ वर्ष 2020 में भी नाबालिग से दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज हो चुकी है। गांव के लोगों ने बताया कि इस मामले में भी पीड़िता और उसके परिवार को धमकाया था।

चीन मंगा रहा खाली शिपिंग कंटेनर, कानपुर के 500 करोड़ के निर्यात ऑर्डर रुके

कानपुर, संवाददाता। कानपुर के निर्यातकों के सामने चीन ने समस्या खड़ी कर दी है। चीन की कंपनियों की ओर से खाली कंटेनरों की भारी मांग के चलते कानपुर समेत देश भर के निर्यातकों के सामने संकट खड़ा हो गया है। चीन की मांग के चलते शिपिंग कंपनियों ने भाड़ा बढ़ाकर 1200 डॉलर प्रति कंटेनर से बढ़ाकर 2800–3000 कर दिया है। इससे लागत बढ़ गई है, जबकि विदेशी खरीदार पहले के दाम पर ही माल मांग रहे हैं। ऐसा न होने पर आर्डर रद रने की बात कह रहे हैं। इससे कानपुर के करीब 500 करोड़ के आर्डर रोक दिए गए हैं। आगे समस्या और बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। दरअसल, अमेरिका ने चीन से आने वाली स्टील से लेकर सोलर सेल, लिथियम आयन बैटरी और उनके पुर्जे, इलेक्ट्रिक व्हीकल समेत अन्य उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ा दिया है। ये चरणबद्ध तरीके से 2026 तक लागू होने हैं। इसलिए चीनी कंपनियां नए टैरिफ के लागू होने से पहले ज्यादा से ज्यादा सामान अमेरिका भेजना चाहती हैं। खाली कंटेनरों की मांग इसीलिए तेजी से बढ़ी है। चीन की मांग के कारण देश में कंटेनरों की उपलब्धता घटने से कंसाइनमेंट रुक रहे हैं। भाड़ा बढ़ने से उत्पादों के दाम भी प्रतिस्पर्धी नहीं रह गए हैं। ऐसे में निर्यात आर्डर भी रोके जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024–25 में शहर से 11 हजार करोड़ का निर्यात लक्ष्य रखा गया। अप्रैल–मई 2024 तक 220 करोड़ का निर्यात हो चुका है। 2023–24 में शहर से 8900 करोड़, 2022–23 में 8995 करोड़ और 2021–22 में 9509 करोड़ का निर्यात किया गया था। अब नई समस्या खड़ी हो गई है।

जानकारों का कहना है अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम कानपुर के निर्यातकों के सबसे बड़े बाजार है। क्रिसमस के आर्डर सितंबर से ही भेजे जाते हैं। जानकारों का कहना है कि 2024 की पहली तिमाही में समुद्री परिवहन की मांग नौ प्रतिशत बढ़ गई है। पीक शिपिंग सीजन सामान्य से पहले शुरू हो गया। पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण वाणिज्यिक जहाजों पर हमले हुए हैं, जिससे लाल सागर में समुद्री गतिविधि काफी कम हो गई है। लाल सागर दुनिया के 30 प्रतिशत कंटेनर यातायात के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है। शंघाई, निंगबो और लॉस एंजिल्स जैसे बंदरगाहों पर कंटेनरों की संख्या बढ़ गई है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।